



१९७६

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४९] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर ४, १९७६ (अग्रहायण १३, १८९८)

No. 49 ] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 4, 1976 (AGRAHAYANA 13, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड १

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयोंद्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

मंत्रिमण्डल सचिवालय  
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो  
नई दिल्ली, दिनांक १० नवम्बर १९७६

सं० डी०-७/७३-प्रशा०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री डी० आचार्य, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश) को दिनांक १२-१०-७६ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए स्थानापन्न पुलिस सहायक महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना स्थापना, नई दिल्ली के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक १६ नवम्बर १९७६

सं० ए०-१९०३६/१७/७६-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी श्री ए० डी० पवाडे को दिनांक ३०-१०-७६ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० एस० निगम,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

1-356 जी आई/76

गृह मंत्रालय  
महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक ११ नवम्बर १९७६

सं० ओ-II-1040/76-स्था०—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर एम० श्रीनिवासा रेडी को, १७-१०-७६ के पूर्वाह्न केवल ३ माह के लिए, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थं रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ-II-1049/76-स्था०—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर श्रीमती पी० सीतारतनम की तदर्थं रूप में केवल ३ माह के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको २७-९-७६ पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सं० ओ-II-1038/75-स्था०—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर श्रीमती ऊपा जैन को, २५-१०-७६ के पूर्वाह्न केवल ३ माह के लिए, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति

होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय  
सहायक निदेशक प्रशासन

महानिरीक्षक का कार्यालय  
केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल  
नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 नवम्बर, 1976

सं० ई० 38013(3)/17/76—कार्मिक—राष्ट्रपति के० श्री० सु० ब० यूनिट राउरकेला इस्पात संयंत्र राउरकेला के निरीक्षक सुरेन्द्र मोहन को दिनांक 27 सितम्बर 1976 के पूर्वाल्प से अगले आदेश तक भारतीय उर्वरक निगम (पी० एण्ड डी०) के० श्री० सु० ब० यूनिट सिंब्री का स्थानापन्थ रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं श्रीर उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

लो० सि० बिष्ट  
महानिरीक्षक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लखा विभाग  
कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 नवम्बर, 1976

सं० प्रशा०-I/5-5/पदोन्नति/76-77/कार्य० आदेश सं० 915/2183—इस कार्यालय के निम्नांकित लेखा अधिकारी, 58 वर्ष की अधिवार्षिकी आयु प्राप्त करने के फलस्वरूप इस कार्यालय से 31/10/76 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त किए गए हैं।

नाम	जन्म तिथि
1. श्री के० जे० थडानी (स्थायी लेखा अधिकारी)-	27-10-1918
2. श्री आर० एम० वर्मा (स्थानापन्थ से० अ०)-	20-10-1918

एच० एस० दुग्गल  
ब्रिएष्ट उप-महालेखाकार (प्र०)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां  
डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा  
कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर, 1976

सं० 77/76-जी०—महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां निम्न-लिखित स्थायी सहायकों को सहायक स्टाफ अफसर (वर्ग 2 राज-पन्नित) के पद पर दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

- श्री देव प्रसाद दत्ता—29 मई, 1976।
- श्री सोमेन्द्र भूषण राय—1 जुलाई, 1976।

सं० 78/76/जी०—वार्षिक निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री ए० एन० शाहा, स्थानापन्थ डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० (मौलिक एवं स्थायी सहायक फौरमैन) दिनांक 31-1-76 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 12 नवम्बर, 1976

सं० 79/जी०/76—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एम० वेनगोपालन, स्थानापन्थ उप-प्रबन्धक [(मौलिक एवं स्थायी फौरमैन) दिनांक 31 अगस्त, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 80/76/जी०—सी० एस० आर० की धारा 459 (एच०) की शर्तों के अन्तर्गत दी गई नोटिस के अनुसार श्री एस० के० घोष, स्थानापन्थ उप-महाप्रबन्धक (मौलिक उप-प्रबन्धक), दिनांक 13 सितम्बर, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 81/76/जी०—सी० एस० आर० की धारा 459 (एच०) की शर्तों के अन्तर्गत दी गई नोटिस के अनुसार श्री आर० आर० तिवारी, स्थानापन्थ सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी स्टोर होल्डर) दिनांक 30 जुलाई, 1976 (अपराह्न) सेवा निवृत्त हुए।

सं० 82/76/जी०—श्री एस० एस० जौहरी, मौलिक एवं स्थायी अपर महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां, स्वेच्छापूर्वक दिनांक 4 अक्टूबर, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 83/76/जी०—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री टी० वी० आनन्दन, स्थायी उप-महाप्रबन्धक दिनांक 31 दिसम्बर, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय  
सहायक महानिदेशक

#### श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

सं० प्रशा०-12(13)76—श्री आर० एस० काटदरे स्थायी प्रधान लिपिक को कोयला खान कल्याण आयुक्त धनबाद के सहायक सचिव के पद पर दिनांक 21-10-76 (अपराह्न) से रूपए 550-25-750-दक्षता रोध-30-900 के वेतनमान में अस्थायी रूप से अगला आदेश होने तक की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है।

श्रीर० पी० सिन्हा  
कोयला खान कल्याण आयुक्त  
धनबाद

#### वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 16 नवम्बर, 1976

सं० ई० एस० टी० 1-2(595)—श्रीमान् राष्ट्रपति, वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई के सहायक निदेशक, प्रथम श्रेणी (नान-टेक्निकल) श्री वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव को 22 सितम्बर

1976 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, उसी कार्यालय में उप-निदेशक (नान-टेक्निकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ई० एस० टी०-१-२ (613)—श्रीमान् राष्ट्रपति, बुनकर सेवा केन्द्र बम्बई के सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (नान-टेक्निकल) श्री सी० जे० मेथ्यू को 26 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, बम्बई आयुक्त कार्यालय बम्बई में, सहायक निदेशक, प्रथम श्रेणी, (नान टेक्निकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

राजेन्द्र पाल कपूर,  
वस्त्र आयुक्त

कण्ठला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन

कच्छ, दिनांक 30 सितम्बर 1976

सं० एफ० टी० जे० डॉ०/प्रशा०/७/२/७४/१४२७३—कण्ठला मुक्त व्यापार क्षेत्र गांधीधाम (कच्छ) के विकास आयुक्त श्री बी० सी० रावल, केन्द्रीय उत्पादक शुल्क समाहर्ता, अहमदाबाद के वरिष्ठ निरीक्षक को जिसकी वेतनमान रु 840-40-1000-40-1200 है ता० 28-8-76 की शाम से अस्थाई रूप से जब तक श्री जोधनपुत्रा, अहमदाबाद उत्पादक शुल्क समाहर्ता के स्थानापन्न अधीक्षक जो कि सुरक्षा अधिकारी के लिए चुने गए हैं। इस प्रशासन में अपनी सेवाएं स्वीकार नहीं करते या यह पद किसी दूसरे तरीके से नहीं भरा जाए तब तक के लिए सुरक्षा अधिकारी के तौर पर नियुक्त करते हैं।

एन० विठ्ठल  
विकास आयुक्त

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1976

सं० ई०-II(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में वर्ग 6 प्रभाग 2 के अधीन प्रविष्टि “मल्टी प्यूज ईगनाइटरस” के बाद में आए हुए शब्द और संद्या “उत्पादन और निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च 1977 तक” को निकाल दिए जाएंगे।

इंगुव नरसिंह मूर्ति  
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1976

सं० प्र०-१/१ (1072)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री हुकम सिंह को दिनांक 23 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तर्द्ध आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री हुकम सिंह की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एस० कुप्रस्वामी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी

दिनांक 12 नवम्बर 1976

सं० प्र०-१/१ (764)—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-I) भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III श्री आर० पी० सिंह को दिनांक 21 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II में उप निदेशक पूर्ति के रूप में तर्द्ध आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,  
उप निदेशक (प्र०)  
हृते महानिदेशक

(प्रशासन शाखा 6)

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1976

सं० प्र०-६/२४७(380)/७६—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री य० आर० मजूमदार को दिनांक 27-९-७६ के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी I के ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मजूमदार ने सहायक निरीक्षण अधिकारी का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 27-९-७६ से निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश,  
उप निदेशक (प्रशा०)  
हृते महानिदेशक

पूर्ति तथा निपटान निदेशालय

कलकत्ता-६९, दिनांक 30 अक्टूबर 1976

सूचना सं० डी १/सी० ओ एन/डी ई दिनांक 26-१०-७६

सं० कल०/डी १/पीओ/१३४—चूंकि पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता के उप निदेशक (निलंबित) श्री एन० के० मल्होत्रा के विरुद्ध केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) 1965 के नियमों के अधीन नियम 14 के अनुसार जांच की जा रही है और चूंकि जांच अफसर के रूप में नियुक्त श्री एस० सी० कपूर, निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता को उक्त श्री मल्होत्रा के विरुद्ध लाये गये अभियोगों की जांच करनी है, विभागीय जांच की अगली तारीख 7-१२-१९७६ को ११ बजे निर्धारित की गई है। श्री मल्होत्रा के लिए उक्त तारीख को सुनवाई के समय निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अपने रक्षा-सहायक, यदि कोई हो, के साथ उपस्थित रहना आवश्यक है। यदि श्री मल्होत्रा उपस्थित न रहे तो एकतरफा कार्रवाई की जाएगी।

एन० बी० दत्ता,  
सहायक निदेशक (प्र०)  
हृते निदेशक पूर्ति तथा निपटान

## भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 15 नवम्बर 1976

सं० एफ०-104-4/76-स्था०/20467—भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग के श्री ए० स० आर० भट्टाचार्जी, अस्थायी कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी को 15 सितम्बर, 1976 से स्थाई आधार पर कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जा रहा है।

डा० स० खेरा,  
संयुक्त निदेशक-प्रभारी

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1976

सं० 12/8/71-सतर्कता/एस०-दो०—केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली) में वैज्ञानिक (प्रसार) ग्रेड एस-दो, के पद पर चयन होने के फलस्वरूप, श्री महावीर सिंह, कृषि रेडियो अधिकारी, आकाशवाणी, नई दिल्ली को 27-9-76 (अपराह्न) से उनके पद से कार्यमुक्त कर दिया गया है।

एस० बी० सेषाद्रि  
प्रशासन उप निदेशक  
कृत महानिदेशक

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(फिल्म प्रभाग)

वम्बई-26, दिनांक 11 नवम्बर 1976

सं० 6/62/57-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री ए० बी० वातके स्थायी वैज्ञानिक सहायक फिल्म प्रभाग बम्बई को दिनांक 22-9-1976 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न विशेष कार्य अधिकारी (वैज्ञानिक) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 15 नवम्बर 1976

सं० ए० 31014/1/76-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री वेय० जे० केनी स्थायी सहायक मेन्टनन्स इंजीनियर और स्थानापन्न मेन्टनन्स इंजीनियर को दिनांक 29-3-1976 से स्थायी मेन्टनन्स इंजीनियर के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन  
प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1976

सं० 17-40/73-प्रशा०-1—चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो हैदराबाद में उपसहायक महानिदेशक (चिकित्सा सामग्री भंडार) के पद से अपने परावर्तन के फलस्वरूप श्री ए० रवीकान्त ने 19 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक सचिव (आई० पी० सी०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

2. श्री बी० के० सक्षेत्रा ने 19 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक सचिव (आई० पी० सी०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल  
उपनिदेशक प्रशासन

## कृषि और सिचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 नवम्बर 1976

सं० 2-11/76-स्था०(1)—श्री पी० सी० चौधरी, सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (श्रेणी II) को विस्तार निदेशालय, कृषि और सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में स्थानापन्न सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (श्रेणी 1) 'समूह बी' (राजपत्रित) अलिप्तिक वर्गीय) रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ रूप में तत्काल से अगले आदेश तक पदोन्नत किया जाता है।

निर्मल कुमार दत्त  
प्रशासन निदेशक

## परमाणु ऊर्जा विभाग

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कल्पकम-603 102 दिनांक 2 नवम्बर 1976

सं० ए० पी० पी०/3(1152)/76-प्रशा०—विद्युत परियोजना इंजीनियर प्रभाग के निदेशक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी अवर श्रेणी लिपिक तथा रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक प्रशासन अधिकारी श्री बी० सी० विजयराधवन को 25 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक इस परियोजना में अस्थायी रूप से सम्पर्क अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री विजयराधवन ने 25 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० बालकृष्णन,  
प्रशासन-अधिकारी

## राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

कोटा, दिनांक 13 नवम्बर 1976

सं० रापविप/भर्ती०/3(1)/76/402—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, इस परियोजना के स्थायीवत् सहायक फोरमैन तथा स्थानापन्न फोरमैन श्री प्यारा सिंह को इसी परियोजना में 1 अगस्त 1976 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेश जारी होने तक के लिए अस्थायी रूप से विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० बी० के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० रापविप/भर्ती०/3(1)/76/403—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, इस परियोजना के स्थायीवत् फोरमैन श्री डी० आर० अलिमचन्द्रानी को इसी

परियोजना में 1 अगस्त 1976 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेश जारी होने तक के लिए अस्थायी रूप से विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर, नियुक्त करते हैं।

सं० रापविष्ट/भर्ती/३(१)/७६/४०४—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, इस परियोजना के स्थायीवत् विज्ञान सहायक 'बी' तथा स्थानापन्न विज्ञान सहायक 'सी' श्री कमल गोस्वामी को इसी परियोजना में 1 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेश जारी होने तक के लिए अस्थायी रूप से विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० रापविष्ट/भर्ती/३(१)/७६/४०५—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, इस परियोजना के स्थायीवत् फोरमैन श्री एस० के० हुसेन को इसी परियोजना में 1 अगस्त 1976 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेश जारी होने तक के लिए अस्थायी रूप से विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 12 नवम्बर, 1976

सं० ०५०००/जी-७४/१६०९—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री ए० एन० एस० शोविन्दस्वामी, अस्थायी सहायक लेखापाल, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र को, भारी पानी परियोजना (कोटा) में अक्तूबर 7, 1976 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्न लेखा अधिकारी (II) नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-३, दिनांक नवम्बर, 1976

सं० ई(१) ०४२१२—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय के अधीन विशाखापत्नन सी० डब्लू० सी में व्यावसायिक सहायक श्री आर० बी० सुद्धमण्णन को 20-10-76 के पूर्वाह्न से 16-1-77 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री सुद्धमण्णन, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय के अधीन विशाखापत्नन सी० डब्लू० सी में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(१) ०४२६२—वेधशालाओं के महानिदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता कार्यालय के अधीन मौसम केन्द्र, गौहाटी में

व्यावसायिक सहायक श्री बी० बी० राय को 4-10-76 के पूर्वाह्न से 31-12-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री राय, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता कार्यालय के अधीन मौसम केन्द्र, गौहाटी में ही तैनात रहेंगे।

संस्था ई(१) ०३९७४ वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री हरनाम सिंह को 8-11-76 के पूर्वाह्न से 14-12-76 तक 47 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री हरनाम सिंह, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन,

मौसम विज्ञानी

द्वाते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1976

सं० ए० ३२०१४/२/७५-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उन के नामों के सामने दिखाई तारीखों से तथा श्रवले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री य० बी० राधाकृष्णन	7-10-76 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन भद्रास
2.	श्री एच० सी० तिवारी	29-9-76 (पूर्वाह्न)	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद

दिनांक 10 नवम्बर 1976

सं० ए० ३१०१४/२/७६-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० एल० शर्मा को 1 अक्तूबर 1976 से नागर विमानन विभाग में स्थायी आधार पर भंडार अधिकारी के क्रेड में नियुक्त किया है।

हरबंस लाल बोहली  
उपनिदेशक प्रशा०

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय  
मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1976

सं० 5/56—श्री तामस राजन जो संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार हैं, को सीधीभर्ता द्वारा मूल्य निर्धारिक के पद पर (नान एक्सपर्ट) ता० 15-7-1976 के पूर्वाह्न से अस्थायी रूप से आगे के आदेश तक नियुक्त किया जाता है वे दो वर्ष तक परिक्षार्थ रूप से रहेंगे।

दिनांक 15 अक्टूबर 1976

सं० 6/76—श्री डी० श्रीनिवासन स्थायी कार्यालय अधीक्षक की पदोन्नति सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में ता० 12-10-76 से, सीमाशुल्क कार्यालय आदेश सं० 218/76 ता० 12-10-76 के अनुसार की गयी उन्होंने मद्रास सीमाशुल्क घर में ता० 12-10-76 के पूर्वाह्न को सहायक मुख्य लेखा अधिकारी का पद संभाल लिया।

जी० शंकरन  
सीमाशुल्क समाहर्ता

नागपुर-440001, दिनांक 15 नवम्बर 1976

क्र० सं० 33—इस समाहर्ताक्षेत्र के श्री पी० जी० देशपांडे, (प्रबरण श्रेणी) निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, उनकी स्थानापन्न अधीक्षक, ग्रुप 'बी' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 21-10-76 के पूर्वाह्न में अधीक्षक (तकनिकी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, नागपुर का पदभार संभाल लिया।

क्र० सं० 34—वैसे ही, इस समाहर्ता क्षेत्र के श्री एम० आर० शिलेकर (प्र० श्रे०) निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनकी स्थानापन्न अधीक्षक, ग्रुप 'बी' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक

27-10-76 के पूर्वाह्न में अधीक्षक (संघटन तथा प्रबंधन) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, नागपुर का पदभार संभाल लिया।

मनजीत सिंह बिन्द्रा  
समाहर्ता

कार्यालय बीमा नियंत्रक

शिमला-4, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० 33-आई० पी० (3)/42-एफ०—चूंकि मैं, जी० एच० दामले, बीमा नियंत्रक पूर्ण रूप से संतुष्ट हूं कि ईस्टन प्रोविंसियल प्राविलेट एश्योरेंस लिमिटेड नामक समिति के कार्यों का पूर्णतः परिसमापन हो गया है;

इसलिए, अब मैं इस अधिसूचना द्वारा बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का IV) की धारा 93 की उपधारा (5) के उपबन्धों के अनुसार उपर्युक्त समिति के भंग होने की घोषणा करता हूं।

जी० एच० दामले  
बीमा नियंत्रक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1976

सं० क-19012/454/73-प्रशा० 5—जल तथा विद्युत परामर्शदात्री सेवा (भारत) लि० से प्रत्यावासित होने पर श्री आर० के० खन्ना ने 19 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

जसवंत सिंह  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

रेल मंत्रालय

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 11 नवम्बर 1976

सं० ई II/ई० एस०/सी० एफ० एम०/ओ०/आर० अ० अ० मा० सं०—लखनऊ के वास्तुशिल्प निदेशालय के निम्नांकित अधिकारियों को उनमें से प्रत्येक के सामने दिये गये पद पर उल्लिखित तारीख से स्थायी किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	वर्तमान पदनाम	स्थायीकरण की तारीख	पद जिस पर स्थायी किया गया
1. श्री वाई० पी० बड़ेरा,	स्थाना० उप निदें० (वास्तु०) वरि० वेतन	7-6-1976		सहायक निदेशक (वास्तु०) कनिष्ठ वेतनमान
2. श्री जे० वाई० ओक	स्थाना० सहा० वास्तु० (द्वितीय श्रेणी)	1-11-1975		सहायक वास्तुविद् द्वितीय श्रेणी
3. श्री एस० नियामतुल्ला	--यथो--	7-6-1976		—यथो—

साधु राम शर्मा  
सहायक निदेशक (स्थापना)

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1976

सं० 752-ई०/44 (ई०/ए)—श्रमियान्त्रिकी सं० -17  
विभाग के अधिकारी श्री एम० ए० उमर की पुष्टि कर्तिष्ठ वेतनमान  
में इस रेलवे के उक्त विभाग में 20-9-68 से की गई।

एस० सी० मिश्र  
महाप्रबन्धक

दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 10 नवम्बर 1976

सं० पी०/जी०/14/300 ई०—इस रेलवे की कार्मिक शाखा  
के (श्रेणीII) निम्नांकित अधिकारियों का पुष्टीकरण उक्त सेवा में  
प्रत्येक के सामने उल्लिखित तारीख से किया जा रहा है। प्रत्येक  
अधिकारी को जो विभाग नियत किया गया है उसका भी उल्लेख  
यहां पर दिया जा रहा है :—

क्र० सं०	नाम	पुष्टीकरण की तारीख	नियत किये गये विभाग
1.	श्री ए० संचासी राव	4 मई 1975	—
2.	श्री बी० के० गुहा	1 अगस्त 75 लेखा	
			एम० मैनेजिंग महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पांडु, दिनांक नवम्बर 1976

सं० ई०/283/82 पी० XI(O)—श्री एस० डी० सिंह,  
दावा निवारण निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 13-8-76  
से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर  
अस्थायी रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०/283/III/129 पी० III (O)—श्री आर० बरुआ,  
उप भण्डारी (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 20-8-76 से द्वितीय श्रेणी  
की सेवा में सहायक भण्डार नियंत्रक के पद पर अस्थायी रूप से कार्य  
करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०/283/82पीXI(O)—श्री डी० एम० रामबन,  
यातायात निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 24-8-76 से  
द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर  
अस्थायी रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०/283/82पीXI(O)—श्री एन० विश्वास, उप  
नियंत्रक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 26-8-76 से द्वितीय श्रेणी की  
सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर अस्थायी रूप से कार्य  
करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०/283/82पीXI(O)—श्री डी० एन० बन्दोपाध्याय,  
यातायात निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 26-8-76  
से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर  
अस्थायी रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०/283/III/54/VIII(O)—श्री के० बी० घोष,  
मुख्य यांत्रिक नक्शानबीस (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 31-8-76  
से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक यांत्रिक हंजीनियर के पद पर  
पूर्णतः तदर्थे उपाय के रूप में अस्थायी रूप से कार्य करने के लिए  
नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०/283/III/54पीVIII(O)—श्री बाई० एम्बोज,  
सहायक शॉप अधीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 1-9-76 से द्वितीय  
श्रेणी की सेवा में सहायक नौ अधीक्षक के पद पर पूर्णतः तदर्थे उपाय  
के रूप में अस्थायी रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०/283/III/54पीVIII(O)—श्री एस० एम० चक्र-  
वर्ती, शॉप अधीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 17-9-76 से द्वितीय  
श्रेणी की सेवा में सहायक यांत्रिक हंजीनियर के पद पर पूर्णतः  
तदर्थे उपाय के रूप में अस्थायी रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त  
किया जाता है।

जी० एच० केसवानी,  
महाप्रबन्धक

पूर्ति तथा पुनर्वासि मंत्रालय  
(पूर्ति विभाग)  
राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 18 अक्टूबर 1976

सं० ई० 1255—निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता  
ने श्री फनी भूषण मंडल का जो कि राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता  
में वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिको) के रूप में अस्थायी रूप में कार्य  
कर रहे हैं, त्याग पत्र दिनांक 18-10-76 अपराह्न से स्वीकार  
किया जाता है।

श्री मंडल ने अपना कार्यभार 18-10-76 अपराह्न से त्याग  
दिया है।

सुजीत कुमार चटोपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)  
छत्ते निदेशक  
राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि व्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्यविभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सेलम श्री  
कन्निका परमेश्वरी ब्लाक लिमिटेड के विषय में  
मद्रास, दिनांक 4 नवम्बर 1976

सं० 2793/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी  
जाती है कि सेलम श्री कन्निका परमेश्वरी ब्लाक लिमिटेड का नाम  
आज रजिस्टर से बाट दिया गया है और उक्त कम्पनी  
विशिष्ट हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भारती  
बस कैन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 4 नवम्बर 1976

सं० 3867/डीएन/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारती बस लैन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बाल टंडायुतपाणी इलेक्ट्रिकल्स मन्युफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 4 नवम्बर 1976

सं० 4781/डीएन/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बाल टंडायुतपाणी इलेक्ट्रिकल मन्युफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेहता  
फार्मस्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
मद्रास, दिनांक 4 नवम्बर 1976

सं० 5177/डीएन/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेहता फार्मस्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रेपको  
फोटो प्राडोक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
मद्रास, दिनांक 4 नवम्बर 1976

सं० 5426/डीएन/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रेपको फोटो प्राडोक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

पि० भास्कर राव,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
तमिलनाडु

प्रूफ आई० टी० एन० एस०—

1. अम्बेसदार्स फार अरेस्ट हंडिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1976

निदेश सं० 2914/75-76 :—यतः, मुझे एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 4 और 5, अल्लण्डल कूनूर, दी निलिंग-रिस में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कूनूर (डाकु-मेंट 226/76 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
2-356 GI/76

2. श्री मनपल्लिल अब्रहम, नामस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कूनूर, डोर सं० 4 और 5, (टी० सर्वे सं० 1181/2) "अल्लेंडेल" में 99/8/16 सेंट की भूमि (मकान के साथ)

एस० राजरटनम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 मद्रास

दिनांक : 9 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रैरुप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज I, मद्रास

1. ए० एम० बी० पाठगसालै, ट्रस्ट (अन्तरक)
2. श्री एम० मोहमेड याकुब और एम० सुल्तान अब्दुल  
 कादर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1976

निदेश सं० 3576/75-76 :—यतः, मुझे एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 109, पट्टमंगलम, स्ट्रीट, मायुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जै० एस० आर० II, मद्रास नार्स 'डाकु-मेट 1717/76), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1976 को

पूर्वोंवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंवत सम्पत्ति का उचित मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विद्या गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यवितरणों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंवत व्यवितरणों में से किसी व्यवित द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यायित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मायवरम, पट्टमंगलम स्ट्रीट, टी० एस० सं० 149/1, टी० एस० सं० 148 टी० एस० सं० 147 में 12169 स्क्युर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरटनम  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ में अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9 नवम्बर, 1976।  
 मोहर :

प्रूफ प्राई. टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5141/75-76 :—अतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22 सेंट्रल अवन्यु, श्रीनगर कालनि, मद्रास-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II, मद्रास-35 (डाकुमेट 701/76), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 मार्च, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन व्यक्तियों, प्रथात्:—

1. श्रीमती राजलक्ष्मि, सुञ्ज, श्री सी० वी० बालसुब्रमनियम, सी० वी० कुमार, सी० वी० गुरुनादन और सी० वी० नाग-राज (अन्तरक)
2. श्री डाटो डाक्टर टी० पन्च, मिस वीरा वीजयलक्ष्मि पन्च; और मिस नीला सरस्वति पन्च; (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, ध्वनी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-15, सौदापेट, श्रीनगर कालनि, सेंट्रल अवन्यु, डोर सं० 22 में 5 घउन्ज और 592 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9 नवम्बर, 1976।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती अमला शंकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1976

निडेंग सं० 5157/76-77—यतः, मुझे एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिकी सं० प्लाट सं० 37 ए और 37 बी, बोग रोड, टी० नगर मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास 'डाकुमेंट 308/76' में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 मार्च, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

2. श्री एम० कल्यान, सुन्दरम, पी० मानिकम, के० टी०, राज०, एम० बी० बुन्द्रम, एम० कातमुनू और तमिलनाडु कौन्सिल आफ की कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**इथलीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मद्रास, तियागराय नगर, बोग रोड, प्लाट सं० 37 ए, और 37 बी में 9 ग्राउंड और 2000 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (सर्वे सं० 125/6, 125/9, 125/10 और 135)

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 9 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास दिनांक 11 नवम्बर 1976

निवेश सं० 5133/75-76—यतः मुझे एस० राजर-  
टनम्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास, टी० नगर, बजुल्ला रोड, डोर सं० 9 ए में  
प्रधान घर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर,  
मद्रास (डाकमेंट 368/76), में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, तथा पाया  
गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी द्वाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी द्वाय या किसी द्वाय या अन्य आस्तियों  
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की द्वारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की द्वारा 269-घ की  
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अस्ति:—

1. श्रीमती नवनीतम और श्री एस० मानीकवासगम  
(अन्तरक)
2. श्रीमती बासारि बत्मा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-17 टी० नगर, बजुल्ला रोड, डोर सं० 9 ए में 2 ग्रा-  
उन्ड और 1337 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ प्रधान  
घर)।

एस० राजरटनम्,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन थेन मद्रास

दिनांक : 11 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर, 1976

निवेश स० 3572/75-76 :—यतः मुझे एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विषयावाह संस्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी डोर सं० 104ए, 104ए/3, 104ए/4, नेताजी रोड, तिरुवारुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपट्टिनम (डाकुमेण्ट 243/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6 मार्च, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयावाह संस्थावर सम्पत्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री ए० एस० नंकबेल चेट्टियार (अन्तरक)

2. श्रीमति महमूदा बीवि, (2) रहमत बीवि (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभूमि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुवारुर, नेताजी रोड, डोर सं० 104 ए, 104ए/3 और 104ए/4 में 2715 स्कुवर फोट की भूमि (मकान के साथ) (टी० एस० सं० 2505, 2506 और 2507)।

एस० राजरटनम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I मद्रास

दिनांक : 1 नवम्बर, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री ए० एम० पी० अरुनाचलम (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती एन० वसन्ताल और श्री मुरुगप्पन

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5162/75-76 :—यसः मुझे, एस० राज-  
रटनम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 202/5ए, नेल्सन मानिक मुदलियार रोड, मद्रास में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, को उम्बावकम (डाकुमेंट 718/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरिक्षी की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निगनलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्दि किसी आय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या दृन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उच्च सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, नेल्सन मानिक मुदलियार रोड, डोर सं० 202/5ए में 1605, 36 स्क्युयर मीटर की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र-II, मद्रास

यसः शब्द, उच्च अधिनियम की घारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उच्च अधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 11 नवम्बर 1976

मोहर :

प्रॅलप आई० टी० एन० एस०-----

प्रथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1976

निक्षेप सं० 5166/75-76 :—यतः, मुझे, एस० राज-  
राटनम्,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसकी सं० 9, सैडोजि लेन, मद्रास-5 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्पिलकेन, मद्रास (आकुमेण्ट 129/76), में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 3-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से क्षयित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- |  |            |
|--|------------|
| 1. ग्यानाम्बाल और श्री टी० कुश्यमूर्ति | (अन्तरक)   |
| 2. श्री टी० सी० राघवति                 | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोष्टस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ट्रिप्पिलकेन, सैडोजि लेन, डोर सं० 9 में 1923 स्कूपर फीट की भूमि (मकान के साथ) (आर०एस० सं० 2661)।

एस० राजराटनम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र-II, मद्रास

दिनांक : 11 नवम्बर 1976

मोहर :

प्रख्य प्राईंट टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5172/75-76 :—यतः, मुझे, एस० राज-  
रटनम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु  
से प्रधिक है

और जिसकी सं० 4, बीट क्राफ्टस रोड, नूरगम्बाकम, मद्रास-34  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०,  
(डाकुमेंट 1415/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
मद्रास-1 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ यी उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-356GT/76

1. श्रीमती नामाजी बीबि (अन्तरक)
2. श्री डॉक्टर कस्परस्वामि और श्रीमती अमिता देवि  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तरसबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रवधि और भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मद्रास, नूरगम्बाकम, बीट क्राफ्टस रोड, डोर सं० 4 मे० 718. 88  
स्कूयर मीटर की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र-II, मद्रास

तारीख : 11 नवम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंरूक्षेन-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 नवम्बर 1976

निवेश सं. 5133/75-76—यतः, मुझे एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 9 ए, बजुल्ला रोड, टी० नगर, मद्रास (गेस्ट हाउस) में स्थित है (और इससे उपामुद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास-17, (डाकुमेण्ट 369/76), में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 मार्च, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पायारथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्तादिक स्पष्ट रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही यिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वर्मी भरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्रीमती नवनीतम और श्री एस० मानिकवासगम (अन्तरक)

2. वेल्लन्कि वेंकटरत्नम्मा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मद्रास-टी० नगर, बजुल्ला रोड, डोर सं. 9 ए० (गेस्ट हाउस) में 1 ग्रन्ड और 1333 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 11 नवम्बर, 1976।

मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री टी० सी० कन्नैया नायुडु,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1976

निवेश सं० 16/एम०ए०आर०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 27/1 है, जो कलमन्डपम रोड मद्रास में स्थित  
है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 242/76)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 6-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रमत्तरण से मुई किसी आय की व्यावस, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने  
या उससे अच्छे में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
भिन्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

2. श्री सोयाब भाई ए० माचसवाला (अन्तरिती)

3. एच० सी० मुत्तमणी और द्रांस मरीना (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यवितयों पर सूचना की  
तारीख में 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

मद्रास 13 रायपुरम, कलमन्डपम रोड और सं० 27/1,  
(आर० एस० सं० 3131/भाग) में 2 ग्राउंड और 160 स्कुयर  
फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक : 9-11-76 ।

मोहर :

प्रस्तुति प्राइंटी टी० एम० एस०—

1. श्री सी० ए० आश्राम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1976

निवेश सं० 44/एम०ए०आर०/76—यतः, मुझे जी० रामनाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लाट सं० 664 है, जो अक्षर नगर मद्रास में  
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 410/76)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 16 मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अमरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की  
उपष्टारा(1) के अधीन निम्नलिखित अविस्तरों, अस्ति:—

2. श्रीमति मीनाकशी त्यागाराजन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यवित्रियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, और उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

मद्रास-40, अम्मानगर प्लाट सं० 664 (एस० सं० 7) में  
2.5 एकड़ की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 9-11-1976

मोहर

प्रूप आई० टी० एम० एस०

1. श्रीमती मैदूका वी प्रीत शार्दी

(प्रस्तुतक) ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, भद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1976

निवेश सं० 71/एम ए आर/75-76—अतः, मुझे जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है और जिसकी

सं० एस० सं० 96, है जो पश्चीयकुलम गांव दम्पुरि जिला में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बरर पद्ध सं० 119/76  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 16 मार्च, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से सक्षम अन्तरण लिखित में वारकरिक रूप से वर्णित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस, उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख.) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. श्रीमती मैदूका वी प्रीत शार्दी

(प्रस्तुतिः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यकालिक द्वारा हिंदू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पश्चीयकुलम गांव एस० सं० 96 में 14.82 एकड़ खेती की  
भूमि ।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 9 नवम्बर 1976 ।

मोहर :

प्रूल्प आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती मैमूना बी और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1976

निदेश सं० 72/एस०ए०आर०/75-76 :—यतः, मुझे  
जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
268-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी एस० सं० 96 है, जो पश्चीयकुलम में स्थित है (और  
इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बरुर (पत्र सं० 120/76) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
16 मार्च, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. आर० सुब्रमण्यम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यवित्रियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पश्चीयकुलम गांव एस० सं० 96 में 15 एकर खेती की भूमि।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 9 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी १० एन० ८८०—

१. श्री सी० वेंकटाचलम और सी० सुर्वसन श्रीनीवासन  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

२. श्री सुब्राह्मण्यम् कुमार जैन  
(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज-१, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1976

निदेश सं० १९/एम०१०आर०/७५-७६ :—अत, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० १५४ है, जो वासु स्ट्रीट मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 306/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूई विसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-10, वासु स्ट्रीट, आर० सं० 154 में एक ग्रंथालय और 1310 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 11 नवम्बर 1976।

मोहर :

प्रकप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-JI, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1976

निदेश सं० 20/एम०ए०आर०/75-76—यतः, मुझे जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी

सं० आर० एस० 154/धारा है, जो वासु स्ट्रीट मद्रास में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पन्न सं० 307/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री सी० वेंकटाचलम और श्री सी० सुर्दसन श्रीनिवासन (अन्तरक)।
2. श्री साबदी नात जैन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास, 10, वासु स्ट्रीट आर० एस० 154 में एक ग्राउन्ड और 1310 स्कुयर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-JI मद्रास

तारीख : 11 नवम्बर, 1976

मेरे :

प्रलूप आई० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1976

निवेश सं० 73/एम ए आर/75-76 :—अतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायी उपचार सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/- इष्टए से अधिक है

और जिसकी सं० 183 और 188 है, जो पेस्म्बालैगांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पेस्मगरम (पत्र सं० 271/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 मार्ष्य, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है:—

(क) अन्तरण से मुहूर्त किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
4—356 जी आई/76

1. श्री गोविंदसामि और श्राद्धी (अन्तरक)।  
2. श्री एल० शणमुगम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टांकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दर्मपुरि जिला, पेस्म्बालै गांव एस० सं० 183 (3.29 एकड़.) और 188 (2.98 एकड़.) में 6.27 एकड़. खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 10 नवम्बर, 1976।

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुषत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1976

निवेश सं० 74/एम०ए०आर०/75-76 :—यतः मुझे, जी० रामनाथन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम', बता गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 211/3, 211/6, 211/7, और 212/4 है, जो हरूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरूर (पत्र सं० 434/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1976।

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वारसविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उत्तर अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः श्रब, उत्तर अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० चिन्नसामि

(अन्तरक)

2. श्री गणपति ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूसूची

हरूर एस० सं० 211/3, (3.04 एकड़), 211/6 (0.30 एकड़), 211/7 (0.97 एकड़) प्रौर 212/4 (1.86 एकड़) में 6.17 एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख : 10 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस० ०--  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

1. श्री पी० एस० सुम्भराजा

(अन्तरक)

2. पी० एस० सुम्भराजा रियल (एस्टेट्स (पी०) लिमिटेड  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1976

निदेश सं० 75/एम०ए० आर०/75-76 :—यतः, मुझे जी रामनाथन ;

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), को धारा 269 वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास उत्तरने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी टी०एस०सं० 11/4-7 और 12/2 है, जो सीबलपेटी रोड पालयमको है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालयमको है (पत्र सं० 470/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिंदूद्व फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालयमको है, सीबलपेटी रोड डोर सं० 10-ए, 10 बी,-II और 12 (टी० एस० सं० 11/4-7 और 12/2) में 1.23 एकड़ की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-I मद्रास

तारीख : 10-11-1976।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० एस० जगन्नाथ राजा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज -1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1976

निदेश सं० 76/एमएप्रार/75-76 :—अत, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा

269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 117 और 118, रेलवे रोड और 50ए और 51, नंगे अम्मन, कोइल, स्ट्रीट, तेन्कासी में स्थित है (और इससे उपावढ़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, तेन्कासी (पत्र सं० 374/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22 मार्च, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारसदिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेन्कासी (एस० सं० 288 और 289) अरसूर नंगे अम्मन कोइल स्ट्रीट डोर सं० 50ए और 51 और डोर सं० 117 और 118 रेलवे रोड में 29 सेंट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 10 नवम्बर, 1976।  
मोहर।

प्रेरणा प्राई० टी० एन० एस० .....

1. श्रीमती हाजीया कुलसम बीगम

(अन्तरक)

2. श्रीमती फ़की कलीली

(अन्तरिती)।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्षत सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1976

निदेश सं० 10/एम०ए०आर०/75-76—यतः मृम्मे जी०  
रामनाथन ;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है') की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है  
से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है, जो विकटोरिया क्षेत्र रोड मद्रास-4 में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास पत्र सं० 1385/  
76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन मार्च, 1976

को पूर्वोंक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्मे यह विष्वास करने का कारण  
है कि यथा पूर्वोंक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब उपर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्हीत :—

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आवेदन—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्षत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 84, विकटोरिया क्षेत्र रोड से डोर सं० 14 आर०  
एस० सं० 1633/16) में एक ग्राऊंड और 1312 स्कुयर फीट की  
खाली भूमि ।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मद्रास रेज-1 मद्रास

दिनांक : 12 नवम्बर, 1976।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र -I मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 नवम्बर 1976

निवेश सं० 18/एम०ए०आर०/76—यतः मुझे जी०रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिक्षास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है, जो विक्टोरिया क्रसन्ट रोड मद्रास 8 में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 362/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचवां प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हाजीया कुलसम बीगम (अन्तरक)

2. श्रीमति फकी कलीली, श्री नसीर ऊल हासन कलीली की माँ और गारड़ीयन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध भिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम वे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 8, विक्टोरिया क्रसन्ट रोड में डोर सं० 14 (आर० एस० सं० 1633/17) में एक ग्रांड और 1312 स्क्युयर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख : 21-11-1976।

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1976

निवेश सं० 61/एमएशार/75-76 :- श्रत, मृगे जी०  
रामनाथन  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० -- है, जो ओमलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
ओमलूर पत्र सं० 487/76) । में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1976  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्री० सी० नारायणसामि गड्ढर और आदी  
(अन्तरक)

2. श्री रामसामी गड्ढर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

ओमलूर गांव एस० सं० 206/2, (०. 29 एकड़), 207/3  
(१. 11 एकड़), 207/1, (०. 82 एकड़), 211/1, (२. 76  
एकड़) में ४. ९८ एकड़ खेती की भूमि और आदी ।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 21 नवम्बर 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

1. श्री एस० दामोदरन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एन० अव्यनातन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र -I मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1976

निदेश सं० 77/एस०ए०आर०/75-76—यत, मुझे जी० रामनाथन;

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 101, 103 और 103 ए है, जो जवाहर लाल नेहरू रोड सिवकासी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सिवकासी पश्चं० 408/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रणनीति में हितबद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टकीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिवकासी, जवाहल लाल नेहरू रोड डोर सं० 101, 103 और 103 ए (एस सं० 595/1 और 2) में 12 1/2 सेट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-I मद्रास

दिनांक: 12 नवम्बर, 1976।

मोहर :

प्रॅलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1976

निदेश सं० 78/एम०ए०आर०/75-76 :—यतः; मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 279/2 बी है, जो नारायणपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवकासी (पत्र सं० 482/767) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 5—356 जी आई०/76

1. श्रीमती वसन्ताल मौर आदी (अन्तरक)

2. श्री एस० के० सुन्दरराजन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रीबल्लीपत्तूर तालुक, नारायणपुरम गांव एस० सं० 279/1 बी में 12-5-76 सेंट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री वी० बद्रीनारायणन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 11/एम० ए० आर०/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 501, मिन्ट स्ट्रीट और 7, तिरुमलै लेन, मद्रास-3 है, जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 147/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-3-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. राजा मेटल्स कारपोरेशन, मद्रास-3 (अन्तरिती)
3. (1) वेंकटेश्वरा आर्यवद निलयम  
(2) केशू नायर  
(3) वेंकटेश्वरा मेटल स्टोर  
(4) नव लंका लाज (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-3, मिन्ट स्ट्रीट, डोर सं० 501 में एक ग्राउन्ड और 1547 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ) और डोर सं० 7, तिरुमलै लेन में 1287 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 15-11-1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास  
मद्रास, विनांक 15 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 15/एम० ए० आर०/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० 9 और 9 ए० है, जो सोमु चेट्टी स्ट्रीट लेन मद्रास-3 में स्थित है (और इससे उपांचड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 249/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जी० राजरत्न नायकर

(प्रन्तरक)

2. श्री के० रविन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

मद्रास, सोमु चेट्टी स्ट्रीट लेन (आर० एस० सं० 1027/23-भाग) में 1500 स्क्वेयर फीट की खाली भूमि और डोर सं० 9 ए (आर० एस० सं० 1027/75) में 2440 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 15-11-1976

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

1. श्री आर० कृष्णकुमार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री पी० के० मुहम्मदसन

(अन्तरिक्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 21/एम० ए० आई०/76-77—यसः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2113/2 कीलकूड़लूर है, जो 2337/2 ए०, मेलकूड़लूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कम्बम (पत्र सं० 1349/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-5-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के स्थिर विवरणों को अन्तरिती करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कीलकूड़लूर, एस० सं० 2113/2 में 3.92 एकड़ में 1/3 आयम् भाग (1.30 एकड़) और मेलकूड़लूर गांव एस० सं० 2337/2 ए० में 2.98 एकड़ में आयम् भाग (1.58 एकड़) खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 15-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. शान्तीदेव जनरल एजेन्सीज (प्रा०) लिमिटेड  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. अनन्द बिल्डर्स  
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 43/एम० ए० आर०/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 73 है, जो पूनमल्ली है रोड, मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 411/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास-10, पूनमल्ली है रोड, डोर सं० 73 (आर० एस० 45 ए०) में 6 ग्राउन्ड और 720 स्क्वेयर फीट की खाली भूमि (शेड और आदि)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 15-11-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 60/एम० ए० वाई०/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 90/1 है, जो मेलकन्ट मंगलम में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचुलि (पत्र सं० 727/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पेण्माल नाडार और आदि (अन्तरक)

2. श्री वालवीम नाडार और आदि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्थित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अरुपकोट्टै तालुक, मेलकन्टमंगलम गांव एस० सं० 90/1 में 8.73 एकड़ खेती की भूमि और आदि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 15-11-1976

मोहर :

प्रेरूप प्राई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती समन्तकम्मा

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 37/एम० ए० आर०/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 48 है, जो वैद्यनाद भुदलि स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 180/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती के० राजमणिकम्मा और के० मदनकुमार (अन्तरक)
  3. (1) एम० तिलावुकरसु,
  - (2) के० रामकृष्णन
  - (3) एम० सन्तानम
  - (4) ओय रामाजी
  - (5) ओय राजगोपाल
  - (6) के० नरसिंहलु
  - (7) एम० नन्दगोपाल
  - (8) वेकटसुन्नमणियम
  - (9) शुक बान्ड को० लिमिटेड
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**उपलब्धीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, वैद्यनाद भुदलि स्ट्रीट डोर सं० 48 (आर० एस० 1391) में एक ग्राउन्ड और 42 स्क्वेयर फीट की भूमि (1/5 आमश भाग) (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 38/एम० ए० आर०/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसकी सं० 48 है, जो बैद्यनाद मुदलि स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित  
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पद सं० 181/  
76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन मार्च 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफलका पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के स्थित तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षयित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उबत अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित घटितियों, अर्थात् :—

- 1. एस० पुष्पा (अन्तरक)
- 2. श्रीमती के० राजमणिकम्मा और के० मदनकुमार (अन्तरिती)
- 3. (1) एम० तिरुनाथुकरसु,  
(2) के० रामकृष्णन  
(3) एम० सत्यानन्द  
(4) श्रीय रामाजी  
(5) श्रीय राजगोपाल  
(6) के० नरसिंहलु  
(7) एम० नन्दगोपाल  
(8) वेंकटसुब्रामण्यम  
(9) ब्रुक बान्ड को० लिमिटेड  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

मद्रास-1, बैद्यनाद मुदलि स्ट्रीट ऊर सं० 48 (आर० एस० 1391) में एक ग्राउन्ड और 42 स्केयर फीट की भूमि (1/5  
आमन भाग) (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 39/एम० ए० आर०/75-76—यतः, मुझे,  
जी० रामनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 48 है, जो वैद्यनाद मुदलि स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में (पत्र सं० 182/  
76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन मार्च, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात्:—  
6—356GI/76

1. श्रीमती टी० अनुराधा (अन्तरक)

2. श्रीमती के० राजमणिकम्मा और के० मदनकुमार (अन्तरिती)

3. सर्वश्री (1) एम० तिरुनावुकरसु

(2) के० रामकृष्णन

(3) एम० सन्तानम

(4) श्रोय रामाजी

(5) श्रोय राजगोपाल

(6) के० नरसिंहलू

(7) एम० नन्दगोपाल

(8) वेंकटसुब्रमण्यन

(9) श्रुक बान्ड को० लिमिटेड

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

मद्रास-1, वैद्यनाद मुदलि स्ट्रीट और सं० 48 (आर० एस० 1391) में एक ग्राउन्ड और 42 स्क्वेयर फीट की भूमि (1/5 आमध भाग) (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज- मद्रास

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 40/एम० ए० आर०/75-76—यतः, मुझे०,  
जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 48 है, जो वैद्यनाद मुदलि स्ट्रीट में स्थित है (और  
इससे उपबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट  
अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 183/76) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मार्च 1976 को

पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुदित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ऐसे पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती प्राप्त नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती आर० विट्टबाई

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० राजमणिकम्मा और के० मदनकुमार  
(अन्तरिती)

3. सर्वश्री (1) एम० तिरुनालुबकरसु

(2) के० रामकृष्णन

(3) एम० सन्तानम

(4) ओय रामजी

(5) ओय राजगोपालन

(6) के० नरसिंहलू

(7) एम० नन्दगोपाल

(8) वेंकटसुब्रमण्यम

(9) श्रुक बान्ड को० लिमिटेड

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1. मद्रास-1, वैद्यनाद मुदलि स्ट्रीट डोर सं० 48 (आर०  
एस० 1391) में एक ग्राउन्ड और 42 स्क्वेयर फीट की भूमि (1/5  
प्रभिन्न भाग) (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 41/एम० ए० आर०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 48 है, जो वैद्यनाद मुदलि स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इसे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पल सं० 184/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1976 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से दोनों दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269८ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ऊषा राणी

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० राजमणिवकम्मा और के० मदनकुमार

3. सर्वेश्वी

- (1) एम० तिरुनावकरसु
- (2) के० रामकृष्णन
- (3) एम० सन्तानम
- (4) श्रोय रामाजी
- (5) श्रोय राजगोपाल
- (6) के० नरसिंहन
- (7) एम० नन्दगोपाल
- (8) वेंकटसुब्रामणियन
- (9) बुक बान्ड टी० को० लिमिटेड

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन वे लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास-1, वैद्यनाद मुदलि स्ट्रीट डोर सं० 48 (आर० एस० सं० 1391) में एक ग्राउन्ड और 42 स्क्वेयर फीट की भूमि (1/5 आमन्न भाग) (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्रीमती आर० राजम्माल और नारेश्वरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री पी० के० सुब्रह्मण्यन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 23/एम० ए० आर०/75-76—यतः, मुझे,  
जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाष्ठार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 52/2 है, जो दादमपट्टी, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम ईस्ट (पत्र सं० 470/76) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-3-76

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्ठार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, अहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, दादमपट्टी गांव एस० 52/2 में भूमि और आदि (पत्र सं० 470/76)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 17-11-1976

मोहर ।

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, विहार, पटना

पटना, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 111-223/प्रर्जन/76-77/2425—यतः मुझे,  
एंकर शरण सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी खाता सं० 26 जमीन सं० 813 है, तथा जो काँके  
रोड, रांची में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 26-3-76

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमः :—

1. श्रीमती बनारसी देवी मोर, जौजे श्री दुर्गा प्रसाद मोर  
97 विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-6। (अन्तरक)
2. श्रीमती ब्रोपदी देवी मोदी, जौजे श्री वासुदेव मोदी,  
44 कैलाश बवेष लेन, हावड़ा। (अन्तरिक्षी)
3. श्री गोविन्द देव ब्रह्मचारी, देवरिया (य० पी०)।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त मावदों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जमीन के साथ भकान जिसका खाता संख्या 26 है । जमीन  
संख्या 813 का 2/7 हिस्सा है, एवं कुल रकबा 5½ बीघा तथा  
जो काँके रोड, रांची में है और जिसका वर्णन दस्तावेज संख्या  
1545 दिनांक 27-3-76 में पूर्ण है ।

एकर शरण सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, विहार  
पटना ।

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 111-224/अर्जन/76-77/2826—यतः, मुझे,  
शंकर शरण सिंहा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है  
से अधिक है।

और जिसकी जमीन सं० 813, खा० सं० 26 है, तथा जो काँके  
रोड़, रांची में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 26-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. श्रीमती बनारसी देवी मोर, जोजै श्री दुर्गा प्रसाद मोर  
97, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-6। (अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मला देवी बागला जोजै श्री राम गोपाल बागला  
1 वेंओदेन स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)

3. श्री गोविन्द देव ब्रह्माचारी, देवरीआ (य० प०)।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन के साथ मकान जिसका खाता संख्या 26 है। जमीन  
संख्या 813 का 2/7 हिस्सा है एवं कुल रकम 5½ बीष्ठा तथा  
जो काँके रोड़, रांची में है और जिसका वर्णन दस्तावेज संख्या  
1543 दिनांक 26-3-1976 में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 111-225/अर्जन/76-77/2427—यतः, मुझे  
शंकर शरण सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि रथावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है।

और जिसकी सं० खाता सं० 26 जमीन सं० 813 है, तथा जो  
काँके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 27-3-1976 को

पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है, कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों अर्थात् :—

1. श्रीमती बनारसी देवी मोर, जौजे श्री दुर्गा प्रसाद मोर  
97, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-6।  
(अन्तरक)
2. मैसर्स मूर्वी पिक्चर्स प्रा० लिमिटेड, 87 बी०, चित्तरंजन  
एवेन्यू, कलकत्ता।  
(अन्तरिती)
3. श्री गोविन्द देव ब्रह्मचारी, देवरीआ, (यू० पी०)।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यानियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत ध्यानियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन के साथ मकान जिसका खाता संख्या 26 है। जमीन  
संख्या 813 का 2/7 हिस्सा है एवं कुल रकम 5½ बीघा तथा  
जो काँके रोड, रांची में है। और जिसका वर्णन दस्तावेज संख्या  
1544 दिनांक 27-3-76 में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंहा।  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार  
पटना

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रीजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 111-226/श्रीजन/76-77/2428—यतः, मुझे,  
शंकर शरण सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-थ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु  
से अधिक है

और जिसकी खाता संख्या 102, प्लाट संख्या 814 का हिस्सा  
है, तथा जो कांके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 26-3-1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में आस्तधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—।

1. श्रीमती बनारसी देवी मोरे जौजे श्री दुर्गा प्रसाद मोरे  
97, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-6।  
(अन्तरक)

2. श्री आनन्द कुमार भोदी बलद श्री बासुदेव भोदी, 44-  
कैलाश बोस लेन, हावड़ा।  
(अन्तरिती)

3. श्री गोविन्द देव अत्याचारी, सा० जिला देवरिया (उ०  
प्र०)।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रीजन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रीजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बत्तु यिसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जो कांके रोड, रांची में है तथा खाता सं०  
102, 1/7 (हिस्सा) प्लाट सं० 814 का जिसका कुल रकमा  
5½ बीघा है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 1552 दिनांक  
27-3-76 में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रीजन परिक्षेत्र, बिहार  
पटना

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 111-227/अर्जन/76-77/2429—यतः, मुझे,  
शंकर शरण सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी खाता संख्या 102, प्लाट संख्या 814 का हिस्सा है,  
तथा जो काँके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 27-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में  
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रथातुः—

7-356GI/76

1. श्रीमती बनारसी देवी मोरे जीजे श्री दुर्गा प्रसाद मोरे,  
97-विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-6।  
(अन्तरक)

2. एम०/एस० मूर्वी पिक्चर प्राइवेट लिमिटेड, 87 बी०,  
चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता।  
(अन्तरिती)

3. गोविन्द देव आहाचारी, सा, जिला देवरिया (उ० प्र०)

(वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवित्यों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त ध्यवित्यों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य ध्यवित द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जो काँके रोड, रांची में है, खाता सं० 102,  
प्लाट सं० 814 का 2/7 हिस्सा, कुल रकवा 5-1/4 बीचा है तथा  
जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 1551 दिनांक 27-3-76 में पूर्ण  
है।

शंकर शरण सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार  
पटना

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 11-228/अर्जन/76-77/2430—यतः, मुझे,  
शंकर शरण सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी खाता संख्या 102, प्लाट संख्या 814 का हिस्सा  
है, तथा जो काँके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 27-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बनारसी देवी मोरे जौजे श्री दुर्गा प्रसाद मोरे, 97,  
विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-6। (अन्तरक)

2. श्रीमती द्वौपदी देवी मोदी जौजे श्री आसुदेव मोदी, 44  
कैलाश बोस लेन, हावड़ा। (अन्तरिती)

3. श्री गोविन्द देव ब्रह्माचारी, सा० जिला० देवरिया (उ०  
प्र०)। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयाद्वारा ही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों द्वारा पढ़ो का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन या मकान जो काँके रोड, रांची में है तथा खाता सं०  
102, प्लाट सं० 814 का 2/7 हिस्सा, कुल रकम 5½ बीघा  
तथा जिसका वर्णन दस्तावेज संख्या 1550 दिनांक 27-3-1976  
में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र बिहार  
पटना।

दिनांक : 16-11-1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, विमांक 16 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 111-229/अर्जन/76-77/2431—यतः, मुझे,  
शंकर शरण सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० खाता सं० 102, प्लाट सं० 814 का हिस्सा है,  
तथा जो काके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 27-3-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बनारसी देवी मोरे जौजे श्री दुर्गा प्रसाद मोरे  
97, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-6।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती निर्मला देवी बागला जौजे श्री राम गोपाल बागला,  
1, बिग्रादेन स्ट्रीट, कलकत्ता।  
(अन्तरिती)
3. गोविन्द देव अहमुचारी, सा०, जिला—देवरिमा, (उ०  
प्र०)। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राद्धेय:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध  
विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन मय मकान जो काके रोड, रांची में है, खाता सं० 102,  
प्लाट सं० 814 का 2/7 हिस्सा है कुल रकबा 5½ बीघा है  
तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 1549 दिनांक 27-3-1976  
में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार  
पटना।

तारीख: 16-11-76

मोहर :

प्रसूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेप, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 111-230/अर्जन/76-77/2432—यतः, मुझे,  
शंकर शरण सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थान्तर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
श्रीर जिसकी खाता संख्या 26, प्लाट सं० 813 का हिस्सा है,  
तथा जो काँके रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 27-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भृत की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
घायित्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बनारसी देवी मोरे जोजे श्री दुर्गा प्रसाद मोरे,  
97, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-6। (अन्तरक)
2. श्री आनन्द कुमार मोदी वल्द श्री वासुदेव मोदी, 44-  
कैलाश बोस लेन, हावड़ा। (अन्तरिती)
3. श्री गोविन्द देव अहन्तारी, सा० जिला—देवरिया,  
(उ० प्र०)। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राप्रज्ञ से प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन में मकान जो काँके रोड, रांची में है, खाता सं० 26,  
प्लाट सं० 813 का 1/7 हिस्सा है। कुल रकम 5½ बीघा है तथा  
जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 1546, दिनांक 27-3-1976 में  
पूर्ण है।

शंकर शरण सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेप, बिहार  
पटना

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, विनांक 16 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० 111-231/अर्जन/76-77/2433—यतः, मुझे  
शंकर शरण सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी हो० सं० 1862 वा० सं० II सी० है, तथा जो  
हेहल, रातू रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 12-3-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) श्री अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्तिः—

1. मै० एम० जे० पालीत, हेहल, रातू रोड, रांची।  
(अन्तरक)
2. राम बियरिम लिमिटेड, रातू रोड, रांची।  
(अन्तरिती)
3. अंतरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
पर्याप्ति द्वारा प्राप्त होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 37 कट्ठा साथ में सकान जो  
हेहल रांची में है। जिसका हो० नं० 1862, वार्ड  
संख्या II सी० है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज संख्या  
3440 विनांक 12-3-1976 में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार  
पटना

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रसूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 16 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० 111-232/अर्जन/76-77/2434—यतः मुझे शंकर शरण सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लाट संख्या 1574, 1601 है, तथा जो आरगोड़, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पाद के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री फादर मारसल मिन्ज बल्द पी० दयाल मिन्ज हरमु रोड, रांची, द्वारा बाईशाँप हाउस, पुरुलिया रोड, रांची। (अन्तरक)

2. श्री परवीन कुमार पारथी, हरमु रोड, रांची द्वारा प्रायर फानसीसको सेन्टर, पुरुलिया रोड, रांची। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 1.74 एकड़ जो आरगोड़ रांची में है। जिसका प्लाट संख्या 1574 एवं 1601 है सथा जिसका वर्णन दस्तावेज संख्या 3330 दिनांक 10-3-76 में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार  
पटना

तारीख : 16-11-1976  
मोक्षर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

पटना, दिनांक 16 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० 111-233/अर्जन/76-77/2435—यतः, मुझे  
शरण आयकर शरण सिंहा, आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी खाता संख्या 2, प्लाट सं० 1498/ए० है,  
तथा जो हिन्दू, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-3-76  
को पूर्वोंबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुभाष चन्द्र बाउल, द्वारा मैलर्स मिलनेच्च  
होटल, आनन्दपुर, रांची।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री विजय कुमार सिंह वल्द स्वर्गीय राम  
सागर सिंह, श्री आश्वनी कुमार सिंह, वल्द श्री  
राम राज सिंह, सा०/पोस्ट चौथा थाना बच्चवारा,  
जिला बेगुसराय, वर्तमान पता द्वारा श्री आर०  
के० सिंह, मजिस्ट्रेट, रांची कोट, रांची।

(3) श्री रामेन्द्र प्रसाद सिंह उर्फ ओम नारायण  
सिंह, श्री रामेन्द्र नाथ सिंह सपुत्र स्वर्गीय  
राजेन्द्र सिंह, सा०/पो० हिन्दू, रांची।

(5) श्री अर्जीत कुमार सिंह वल्द श्री बीर विजय  
सिंह द्वारा सी०/५ डोरडा रांची।

(6) श्री उमेश कुमार वल्द श्री सुरेश प्रसाद, शिक्षक  
एच० ई० सी०, घुवा, रांची।

(7) श्रीमती सरस्वती देवी, पत्नि स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण  
वर्मा, द्वारा श्री उमा शंकर प्रसाद, लाइब्रेरियन,  
एच० ई० सी०, घुवा, रांची।

(अन्तरिती)

3. श्री रामसत खटालवाला, हिन्दू रांची। (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंबत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंबत व्यवितयों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं  
प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 1.13 एकड़ है, खाता संख्या  
2, प्लाट संख्या 1498/ए० है तथा जो हिन्दू, रांची में है  
और जिसका वर्णन दस्तावेज संख्या 3862 दिनांक 22-3-76  
में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, विहार

पटना

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर-16, दिनांक 8 नवम्बर 1976

निर्देश सं० अर्जन/181/छिबरामऊ/76-77/1941—अतः  
मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 थ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय छिबरामऊ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-3-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 थ के अनुसार सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 थ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सखी देवी पटिन श्री नारायण दास अग्रवाल निवासी होलीगेट, मथुरा।  
(अन्तरक)

2. श्री मैथली शरण शुक्ला पुत्र श्री जय गोविन्द शुक्ला, निवासी 15/284, सिविल लाइन्स, कानपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी ध्यावितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 के परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्वल सम्पत्ति (प्लान्ट और मरीनरी कोल्ड स्टोरेज) वाकै सिकन्दरा कोल्ड स्टोरेज परगना व तहसील छिबरामऊ जिला फर्लाबाद, 70,000/- रु० मूल्य में हस्तात्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-11-1976

मोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/235/76-77/देहरादून/1946—यसः, मुझे  
विजय भारतीया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व वे  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से बण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-4-1976 को  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

8-356GI/76

1. श्री हीरा सुन्दरी पुत्री स्व० श्री प्रेम सागर, निवासी  
मोती सागर हाउस, दरीबाकला, देहली। (अन्तरक)

2. श्री कुंवर ब्रिजेन्द्र सिंह पुत्र चौधरी नेपाल  
सिंह, बंगला नं० 307, मेरठ छावनी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध विसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भाँर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अखल सम्पत्ति 'ओक काटेज' रकमा 0.50 एकड़ वाकै  
ओक रोड, लेन्डोर मन्सूरी, 25,000/- रु० मूल्य में हस्तान-  
तरित की गई है।

विजय भारतीया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 8-11-1976

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/236/देहरादून/76-77/1945—अतः मुझे  
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-4-1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ष की  
उपनारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जगेश्वरी किशोर पति श्री राजबन्स किशोर  
निवासी 5/8, रूप नगर, देहली-7। (अन्तरक)

2. श्री बिजेन्द्र सिंह पुत्र चौधरी नेपाल सिंह, निवासी  
बंगला नं० 307, मेरठ छावनी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उवस्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्थानीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

अक्षल सम्पत्ति 'ओक काटेज' 0.65 एकड़ बाकै ओक  
रोड, लेन्डोर मन्सुरी जिला देहरादून, 20,000/- रु० मूल्य  
में हस्तात्तरित की गई है।

विजय भार्गवा  
सधम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 8-11-1976

मोहर :

प्रलूप आई० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/237/देहरादून/76-77/1944—अतः मुझे  
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-4-1976 को  
पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्य-  
मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्य-  
मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. संबंधी

- (1) इन्द्र प्रताप सिंह,
- (2) देव प्रताप सिंह,
- (3) श्री महेन्द्र प्रताप सिंह

निवासीगण ई-48, होज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सूर्य बाला गुप्ता, निवासी 274 एम० लूनीया  
मोहल्ला, मेरठ छावनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 'सरीला लाज का भाग' रक्का 0.35  
एकड़ वाके दी माल मन्सूरी, 48,000/- रु० मूल्य में हस्तान-  
तरित की गई है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 8-11-1976

मोहर :

प्ररूप० आई टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

1. (1) श्री इन्द्र प्रताप सिंह
  - (2) श्री देव प्रताप सिंह
  - (3) श्री महेन्द्र प्रताप सिंह,  
निवासीगण डी०-48, हौज खास, नई दिल्ली।
- (अन्तरक)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/238/देहरादून/76-77/1943—अतः, मुझे,  
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-4-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्रीमती सूर्य बाल गुप्ता, निवासी 274, लूनिया मोहल्ला, मेरठ छावनी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 'सरीला लाज' का भाग रकमा 0.25 एकड़ अवस्थित दी माल मन्तूरी, 37,000/- रु० में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-11-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
द्वारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/88-ए०/देहरादून/76-77/1942—ग्रतः  
मुझे, विजय भारंवा,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की द्वारा 269व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि रथाघर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है,  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-3-1976  
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवास उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व,  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269व (1) के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269व (1) के उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हुमेरा खातून बेवा स्व० श्री एस० सैयद  
उदीन अहमद निवासी 6-ए०, कालविन रोड, इलाहाबाद  
बजरिए मुख्तार आम श्री मसूद अहमद निं० 6-ए० काल-  
विन रोड, इलाहाबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री देव कुमार पाण्डी पुत्र श्री एस० पी० पाण्डी  
निवासी बीण्डरमेर मन्तूरी (2) श्री जगदीश राय चतरथ  
पुत्र स्व० श्री एम० चतरथ निवासी नशविला रोड, देहरा-  
दून।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमनुसूची

अचल सम्पत्ति एवेनल का भाग बाकै मन्तूरी जिला,  
देहरादून, 40,000/- रु० में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भारंवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-11-1976

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जन/333-ए०/76-77/1954—अतः, मुझे  
विजय भारंगवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 27-3-1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स बैश्य एन्ड रोहतगी, 15/21, सिविल लाइन्स  
कानपुर, बजरिए श्रीमती सरस्वती बैश्य पति श्री अयोध्या  
प्रसाद बैश्य, साकिन कुंजबिहार कौशलपुरी कानपुर व श्री  
कैलाश नारायण रोहतगी व देवेन्द्र नारायण रोहतगी व विजेन्द्र  
नारायण रोहतगी, पुत्रगण स्व० श्री शिवलाल रोहतगी,  
साकिन 15/21, सिविल लाइन्स, कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री फकीर चन्द्र पुल श्री धनी राम व श्री भूषण कुमार  
व बलराम कुमार पुत्रगण श्री फकीरचन्द्र साकिनान हाल 118/  
296, कौशलपुरी, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यवित द्वारा अद्वैतताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट नं० 13 रक्का 620 वर्ग गज  
बाकै गोविन्द नगर, कानपुर 21,700/- रु० मूल्य में हस्ता-  
त्तरित की गई है।

विजय भारंगवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-11-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, आयुवेंदिक अस्पताल बिल्डिंग, 5वां माला,  
नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002.

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० इ० 2/2309-3/अप्रैल-76—असः मुझे  
एम० जे० माथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 37, प्लाट नं० 3, हि० नं०  
4, सी० टी० एस० नं० 564 और 563/1, 563/2,  
563/3 और 563/4 एस० नं० 74 (अंश) सी० टी०  
एस० नं० 561/2 है तथा जो जूह गांव में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 5-4-1976  
को पूर्वोंधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंवत् सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स याशधीर होटेल्स सिमिटेल (अन्तरक)
2. श्रीमती धीरज यशवंत दादभावाला (अन्तरिती)
3. निपान को० आप० हाउ० सो० लि० (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में सम्मति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन या मैदान, आनुशंशिकियों और परिसरों का वह  
तमाम टुकड़ा या खंड जो माप से 1155 वर्ग मीटर (1382  
वर्ग गज के बराबर) या उसके आस-पास, जूह गांव में,  
तालुका सलसेटै, बम्बई नगर व उपनगर के रजिस्ट्री उप-  
जिले और जिले में, मौजूद पड़ा हुआ है, जिसका सर्वे नं०  
37 प्लाट नं० 3, हिस्सा नं० 4 और सी० टी० एस०  
नं० 563 व 563/1, 563/2, 563/3 और 563/4,  
जूह तारा रोड, तथा म्युनिसिपल ई०-वार्ड नं० 9790  
(1, 2, 3), स्ट्रीट नं० आर०-211 है और जमीन या  
मैदान के उस तमाम टुकड़ा या खंड में पट्टेदारी हक, जो  
माप में 86.95 वर्गमीटर (104 वर्ग गज के बराबर)  
या उसके आस पास है, जो फोरेशोर एल० है और सरकार  
का है, जिसका सर्वे नं० 74 (भाग) व सी० टी० एस०  
नं० 561/2 है और जो बूहत बम्बई की सीमाओं में, बम्बई  
नगर व उपनगर के रजिस्ट्री उप-जिले, और जिले में मौजूद  
है।

एम० जे० माथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, श्रीमती के०जी०एम०पी० आयुवेदिक अस्पताल

बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड, 5वां माला, बम्बई-400002

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1976

निर्देश सं० अइ०-1/1549-2/मार्च, 76—अतः मुझे  
जी० ए० जेम्स्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं फाइनल प्लाट नं० 669 का ई० पी०  
एस० नं० 3, खारपाली डॉलरोड, बांद्रा है, जो सी०  
एस० नं० ई०/132 का बांद्रा लिवीजन में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई सिटी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 1-3-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
शत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तररण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्ह किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतम मोतीराम मनसुखानी और अन्य।

(1) सिवला नतिबाई 'विधवा' मोतीराम टेकचन्द्र  
मनसुखानी की माँ,

(2) 'मीना' मोतीराम मनसुखानी की पत्नी,

(3) मोहन मोतीराम मनसुखानी,

(4) हिरो मोतीराम मनसुखानी,

(5) ए० जैन मोतीराम मनसुखानी,

- (6) मानिक मोतीराम मनसुखानी,
- (7) हिरा मोतीराम मनसुखानी,
- (8) सुन्दर मोतीराम मनसुखानी,
- (9) अल्का प्रीतम मनसुखानी,
- (10) विवेका प्रीतम मनसुखानी,
- (11) सत्य सखी ठाकुर, और
- (12) महेश सखी ठाकुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सत्य सखी ठाकुर और महेश सखी ठाकुर।  
(अन्तरिती)

3. दो किराएदार, श्री डब्ल्यू० आर० कुमार और  
श्री ए० ए० ठाकुर। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या खंड, उस  
पर खड़ी वाई, किराए के आवास या निवास घर सहित,  
जो टाउन प्लानिंग स्कीम नं० 3, बांद्रा का पुल्ला प्लाट  
नं० 669 है और खार पाली डॉलरोड, बांद्रा में, बम्बई<sup>३</sup>  
नगर व उपनगर के रजिस्ट्री उप-जिले और जिले में जो अब बृहत्  
बम्बई है, भौजूद पड़ा हुआ है, माप से 730 वर्ग गज  
अर्थात् 611.374 वर्ग मीटर के बराबर या आस-पास है,  
और म्युनिसिपल रेंट्स एंड टैक्सेज के अलक्टर बांद्रा म्युनि-  
सिपेलिटी के रिकाई में टाउन प्लानिंग स्कीम बांद्रा नं० 3,  
पुल्ला प्लाट नं० 669, सिटी सर्वे नं० ई०/132 बांद्रा बतौर  
दर्ज है और इस प्रकार घिरा दुआ है कि:—पूर्व की ओर  
सड़क, पश्चिम की ओर बांद्रा रोड, उत्तर की ओर उक्त  
स्कीम के प्लाट नं० 667 व 668 तथा दक्षिण की ओर  
40 फीट की सड़क है।

जी० ए० जेम्स्  
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 15 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ३० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, श्रीमती केजीएमपी, आयुवेदिक अस्पताल  
बिल्डिंग, ५वाँ माला, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई 400002  
बम्बई 400002, दिनांक 15 नवम्बर 1976  
निर्देश सं० अद०-१/१५६५-१८/मार्च-७६—अतः मुझे  
जी० ए० जेम्स  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 70, ब्लाक 1 का बेकबाय  
रिक्लेमेंशन सी० एस० नं० 174691 (पार्ट) का फोर्ट  
छिंवीजन है, जो मैरीना ड्राइव बम्बई में स्थित है (और  
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
6-3-1976 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है—  
(क) उक्त अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या  
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने  
में सुविधा के लिए;

असः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री तुलसीदास छगनलाल और श्रीमती कमलाबेन  
तुलसीदास शाह। (अन्तरक)
2. श्री प्रीतमभाई मोहनलाल दफतरी और श्रीमती  
कुमुमबेन प्रीतमभाई दफतरी। (अन्तरिती)
3. सर्वथी (किरायेदारों की सूची)
- (1) डा० जगदीशचन्द्र चिमनलाल गांधी
- (2) अशोक भानूराय शक्ला

- (3) नरोत्तमदास अमृतलाल शाह
  - (4) दिलीप छमलाल मेहता
  - (5) नकलभाई लखीमदास पारेख
  - (6) इन्द्रलाल कांतीलाल पारेख
  - (7) वाई० एम० देसाई, एन० एन० देसाई और  
एन० डी० देसाई
  - (8) एन० एन० देसाई, वाई० एम० देसाई और  
एन० डी० देसाई
  - (9) हिरालाल गोकलदास दोशी
  - (10) मैसर्स बजाज बोस
  - (11) डा० एस० वेंकटेश्वरन
  - (12) दयाभाई धनजीभाई भगत
  - (13) रतिलाल जीवनदास मदलानी
  - (14) यशवन्तरी दुलेराय दवे
  - (15) मैसर्स बद्या परदुमनसिंह एंड संस
  - (16) नवनीत हरिदास पारीख
  - (17) शातिलाल मूलचन्द शाह
  - (18) एफ० एम० सोनावाला एंड डा० सुशीला एफ०  
सोनावाला
  - (19) कातिलाल पोपटलाल शाह
  - (20) ए० एस० भारतन
  - (21) तुलसीदास सी० शाह एंड विजय एच० पांडेय
  - (22) कमला टी० शाह एंड सुरेन्द्र टी० शाह,
  - (23) तुलसीदास सी० शाह एंड कमला टी० शाह
  - (24) जितेन्द्र एम० मेहता
  - (25) अशविन एम० मेहता
  - (26) नरेन्द्र एम० मेहता
- (वे व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयिता करता है।
- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

**प्रथम—**बम्बई सरकार की बेकबेरी रिक्लेमेशन इस्टेट के  
ब्लाक नं० 1 में प्लाट नं० 70 बाली जमीन का वह तमाम  
टुकड़ा जो बम्बई जिले और रजिस्ट्री उपजिले के अन्दर  
माप में 2265 वर्ग गज या आस-पास है और इस प्रकार से  
घिरा हुआ है कि :—उत्तर की ओर उसी इस्टेट का प्लाट नं० 71,  
दक्षिण की ओर उसी इस्टेट का प्लाट नं० 69,  
पूर्व की ओर सरकारी जमीन, पश्चिम की ओर मैरीना ड्राइव  
और जो कथित जमीन का टुकड़ा बम्बई के कलकटर के  
रिकार्ड में किराया सूची सं० 10072 के अधीन दर्ज है और

इसका सी० एस० नं० 1746, फोर्ट जिवीजन का है।  
**द्वितीय**—बम्बई सरकार की बैंकबे रिक्लेमेशन इस्टेट के ब्लाक 1 में प्लाट नं० 70 के पीछे की जमीन के प्लाट नगर जिले में और रजिस्ट्री उप-जिले के अन्दर, माप में 642 वर्ग गज या आस पास है और इस प्रकार धिरा हुआ है कि:—उत्तर की ओर प्लाट सं० 71 है जो उसी इस्टेट का भाग है, दक्षिण की ओर लायड रिक्लेमेशन ग्राउन्ड, पश्चिम की ओर उसी इस्टेट के प्लाट नं० 70 का बाकी भाग, और यह जमीन का टुकड़ा बम्बई के कलबटर के रिकार्ड में किराया सूची सं० 10072 के अन्तर्गत दर्ज है तथा इसका केंडेस्ट्रल सर्वे नं० 1/1746 (भाग), फोर्ट जिवीजन का है।

जी० ए० जेम्स  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख : 15 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, श्रीमती के० जी० एम० पी०, आयुर्वेदिक बिल्डिंग,  
5वाँ माला, नेताजी सुभाष रोड बम्बई-400002  
बम्बई-400002, दिनांक 15 नवम्बर, 1976

निर्वेश सं० अ० इ०-1/1577-30/मार्च-77—अतः मुझे  
जी० ए० जेम्स  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० लिटिल गिब्स रोड, है, वे सी० एस० नं०  
369 (पार्ट) मलबार खंबाला हिल डिवाजन में रिथत है  
(और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण प्रसे वर्णन है),  
राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण  
आधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और इन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही विसीं आय की वाबत, उत्तर  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/था

(ख) ऐसी विसीं आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-वर अधिनियम, 1922  
(1922 वा 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्ता:—

1. श्री इश्वरदास हरीदास भाटिया  
और श्रीमती मोहनीबाई इश्वरदास भाटिया (अन्तरक)
2. श्री इश्वर बबन को० आप० हाउ० सो०  
लिं० (अन्तरिती)

1. श्री सोमनाथ धरमदास
2. श्री जीवनराम मशाराम
3. श्रीमती वंदना डी० मेहतानी
4. श्रीमती नवनीबाई दयालदास
5. श्रीमती लक्ष्मीबाई व्ह० बदलानी
6. श्रीमती लक्ष्मीबाई डी० बदलानी
7. श्री भगवानदास धनशामदास
8. श्रीमती हरी धनशामदास
9. श्री टोलाराम एन० गांधी
10. श्री सी० एन० गांधी
11. श्री धरमदास डी० पंजाबी
12. श्री मधन आय० सूमया
13. श्रीमती लीलावती एम० सुमया और
14. श्री धनशामदास ऊधवदास

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—  
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबढ़ि  
किसी आन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टीकारण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है,  
वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पहली अनुसूची जिसका हवाला उपर दिया गया है

उस जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या खंड, जो पहले  
पैशान और टैक्स वाली जमीन थी, (अब वह पैशान और असेस-  
मेंट से मृश्त है), जो लिट्ल गिब्स रोड, मलबार हिल, पर बम्बई,  
में और बंबई के रजिस्ट्री उप-जिले में मौजूद है, जिसका सी०  
एस० नं० 369 (भाग) मलबार व कम्बलाला हिल्स डिवीजन का,  
माप से 110.5 वर्ग मीटर या आस पास है और इस प्रकार धिरा  
हुआ है कि:— पश्चिम की ओर उपर की अनुसूची में उल्लिखित  
जमीन; पूर्व की ओर सी० एस० नं० 1/369, मलबार व कम्बलाला  
हिल डिवीजन वाली जमीन: उत्तर की ओर प्राइवेट रट्रीट और  
दक्षिण की ओर उत्तर लिट्ल गिब्स रोड है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

'सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 15 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, श्रीमती के०जी० एम०पी०, बिल्डिंग, 5वाँ माला,

नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1976

निर्देश सं० श्र० इ०-1/1582/35/75-76—अतः मुझे  
जी० ए० जेम्स्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पद्धतात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थाष्टर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं०  
सी० एस० नं० 172, मलबार और कंबालाहिल डिवीजन  
946.05 स्क्वायर मीटर्स है, जो डुंगरसी रोड में स्थित है (श्रीर  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-3-1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्च  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उच्च अधिनियम, की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उच्च अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री बक्तवारमल बस्तीमल सिरेया  
2. निहालचन्द नीमचन्द  
3. खेमचन्द बछराज कोठारी

(अन्तरक)

2. जय गिरनार अपार्टमेंट्स  
को० आप० हाउ० सो० लि०।

(अन्तरिती)

3. 1. श्रीमती रमामीबेन एम० पारेख  
2. श्रीमती एस० डी० गुप्ता

3. श्री एच० डी० दलाल
4. श्रीमती जाशुमति एल० मोदी
5. श्री प्रकाश के० कदाकिया
6. श्रीमती मधुबेन के० शाह
7. श्री मफतभाई आर० पटेल
8. श्रीमती जयलक्ष्मी जी० संघवी
9. श्रीमती भानुमति पी० दोषी
10. श्री बस्तीमल जैहरमल सरेया
11. डा० श्रीमती कोकिलाबेन सी० धारिया
12. श्री गोर्धनदास टी० पारेख
13. श्री नेमिचन्द बी० कोठारी
14. श्रीमती मधुकुमारी के० सरेया
15. श्रीमती भानुमति सी० मेहता
16. श्री खेमचन्द बी० कोठारी
17. श्री राजेन्द्रकुमार के० कोठारी
18. श्रीमती सुप्ता सर्तिशचन्द्र जैन।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उच्च सम्पत्ति के अर्जन के सबैध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उच्च स्थाष्टर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षकारी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

बंबई टापू के, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बंबई में पेंशन और  
टैक्स की जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर<sup>1</sup>  
खड़ी बाड़ियों या निवास घरों सहित, जो डुंगरसी रोड, मलबार  
हिल पर मौजूद पड़ा हुआ है तथा जो माप में 1131.5 वर्ग-  
मीटर, 946.05 वर्ग मीटर या उसके अतिरिक्त है, और  
राजस्व कलक्टर के रिकार्ड में नं० 2734 नये सबै नं०  
2/7245, केल्डरल सबै नं० 172, मलबार और कम्बालाहिल  
डिवीजन के अन्तर्गत दर्ज है और म्यूनिसिपल रेट्स व टक्सेज  
के असेसर व कलक्टर द्वारा डी-वाड़ नं० 3163 और स्ट्रीट  
नं० 10 के अन्तर्गत असेस होता है एवं इस प्रकार दिया हुआ है  
कि:—पश्चिमी की ओर सी० एस० नं० 171 वाली सम्पत्तियां,  
पश्चिम की ओर सी० एस० नं० 174 व 175 वाली सम्पत्तियां  
उत्तर की ओर सी० एस० नं० 173 वाली सम्पत्ति और दक्षिण  
की ओर सार्वजनिक सड़क है, जो डुंगरसी रोड के नाम से जानी  
जाती है।

जी० ए० जेम्स्  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 बम्बई

तारीख : 15 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आदृ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, आयुर्वेदिक अस्पताल बिल्डिंग,  
नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002  
बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अद०-1/1592-45/मार्च-76—अतः मुझे  
जी० ए० जेम्स्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 137 (पार्ट) मार्केट बी का  
फोर्ट डिवीजन है तथा जो रामपर्ट राव में स्थित है (और इससे  
उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ईश्वरदास हरिदास भाटिया  
2. श्रीमती मोहिनी ईश्वरदास भाटिया,  
3. डा० गीता ईश्वरदास भाटिया की लड़की  
4. डा० लक्ष्मी ईश्वरदास भाटिया  
की लड़की
- (अन्तरक)

2. 1: श्री अमृतलाल हरिचन्द्र कोसालिया  
2. श्रीमती प्रभावती एच० कामदार और  
3. श्री राहुल अमृतलाल गोसालिया । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

बोबा की ओर लगान की जमीन का वह तमाम टुकड़ा या  
भाग, उस पर खड़ी इमारत सहित, जो रामपार्ट रो पर, बंबई  
फोर्ट के अन्दर बम्बई रजिस्ट्री उप-जिले में मौजूद है; माप में  
250.83 वर्ग मीटर यानी 300 वर्ग गज या उसके आस पास  
कुछ कम ज्यादा हो सकता है, और भूराजस्व कलबटर द्वारा  
किराया सूची क्रमांक नं० 1437 पुराने नं० 4875, सी० आर०  
आर० नं० 1437 पुराने सर्वे नं० 1392 और लोटन सर्वे नं० 9498  
के अधीन दर्ज है और जिसका केडेस्ट्रल सर्वे 137 (भाग)  
अंकित 'बी' फोर्ट डिवीजन है, (जो उस सम्पत्ति का अंग है  
जिसके बारे में पहली अनुसूची में अधिक विस्तार से बताया गया  
है) और नगर पालिका द्वारा बाई ए० नं० 1173 22-26  
रामपार्ट रो के अन्तर्गत निर्धारित होता है तथा इस प्रकार यिरा  
हुआ है कि :— उत्तर की ओर सी० एस० नं० 140 जिसके  
मालिक हाजी अबूबकर आरी है और जिसके बारे में पहली सूची  
में अधिक विस्तार से बताया गया है, पूर्व की ओर पर्सियन गल्फ  
स्टीम नेबीगेण बंपनी की जायदाद दक्षिण की ओर कथित  
जायदाद रामपार्ट कोआपरेटिव प्रिमिसिज सोसायटी लि० का  
'ए' अंग और पश्चिम की ओर मुहम्मद हुसैन शश्वारी वर्गेरह  
की जायदाद है ।

जी० ए० जेम्स्  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन इलाका-1, बंबई

तारीख : 15 नवम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० ए४८ी/भोपाल-७६-७७/७५६—अतः

मुझे वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', यहा गया है) की धारा, 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास वरने का कारण है कि स्थानीय संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्कृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ष के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. भवानी बिल्डर्स द्वारा थी देवी बास दस्तरेया—  
निवासी 154, जेल रोड, इन्दौर। (अन्तरक)
2. अल्प आय समुदाय को० आ० हाउसिंग सोसायटी द्वारा—  
श्री सी० ए० द्विवेदी—निवासी 16, बक्षी बाग, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हत्संबंधी व्याधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से यिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**रप्टोरिंग:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 22-32, 43, 4, 45, और 46/1, कुल 12.05 एकड़ जो कि, ग्राम तेजपुर, गदबाही, दणहरा मैदान रोड, इन्दौर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 10-11-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर, 1976

निवेश सं०प्राई० ए० सी० एक्ची/भोपाल-76-77/757—  
अतः मुझे बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्भृत द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भीकाजी पुत्र श्री पूनाजी खाती  
बिजालपुर दशहरा भैदान रोड, इन्दौर। (अन्तरक)
2. मानव कल्याण को० आ० हाउसिंग सोसायटी लि० द्वारा  
श्री शुक्ला जी निवासी 195, जवाहर मार्ग, इन्दौर।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्संबंधी ध्यायितयों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 22-32, 43, 31 और 38 के  
भाग जो कि ग्राम तेजपुर गहबादी, तह० इन्दौर में स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-11-1976

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर, 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एकबी/भोपाल-76-77/  
758—अतः, मुझे बी० के० सिन्हा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'दबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो धमतरी में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय धमतरी में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों)  
और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में बारतीक रूप से वर्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही विसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अस्ति:—

- |  |                                     |
|--|-------------------------------------|
| <p>1. श्री विन्दवर रामलाल कुंशर<br/>निवासी लिलार, धमतरी।</p> <p>2. श्री परमानन्द गजानन्द सिन्हा,<br/>निवासी वान्डर, धमतरी।</p> | <p>(अन्तरक)</p> <p>(अन्तरिक्षी)</p> |
|--|-------------------------------------|

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 706 हेक्टर जो कि धमतरी के पास स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 10-11-76

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 नवम्बर, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/765—  
अतः मुझे वी० क० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट है, जो रायगढ़ में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायगढ़ में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
20 मार्च 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वर्म के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भ  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गंगादेवी पति श्री पुरुषोत्तमदास  
राटेरिया निवासी सुभाष चौक,  
रायगढ़। (अन्तरक)
2. श्रीमती नरवानी देवी पति  
श्री रामस्वरूप दास राटेरिया  
निवासी सुभाष चौक, रायगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृसूची

नजूल प्लाट नं० 1587, रक्बा 53'×100' स्थित  
सिविल लाइन, वार्ड नं० 17 (पुराना)—रायगढ़, म० प्र०।

वी० के० सिन्हा  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 15-11-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री मुख लाल

(अन्तरक)

2. श्री लाल जी प्रसाद

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वं

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 नवम्बर, 1976

निदेश नं० 25-एल/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी संख्या मकान नं० सी-13/47 है तथा जो लहंगपुरा वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावथ अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

एक मकान नं० सी-13/47 जो कि लहंगपुरा वाराणसी में स्थित है।

प्रमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269वं के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

10—356GI/76

तारीख : 15-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री सुख लाल

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश प्रसाद

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 नवम्बर, 1976

निदेश नं० 42-जे/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है।

और जिसकी संख्या 1/2 भाग मकान नं० सी०-13/47 है तथा  
जो लहंगपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय  
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 28-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० सी-13/47 का जो मोहरुला  
लहंगपुरा, औरंगाबाद, वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 15-11-76

मोहर :

प्रस्तुति प्राइंटी टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० 43-जे/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या मकान नं० के० 53/91, 57/41 है तथा जो मोहल्ला नवापुरा वाराणसी में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-3-76

को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात्:—

1. सत्य नरायण सिंह। (अन्तरक)
2. श्री जीवन दास सेठ एवं लक्ष्मी देवी। (अन्तरिती)
3. विक्रेता। (वह व्यक्ति, जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 53/91, 57/41 जो कि मोहल्ला नवापुरा वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-11-76

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 15 नवम्बर 1976

निवेश नं० 28-वी/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या मकान भव्य जमीन है तथा जो ग्राम बड़ागांव परगाना कोल असला जिला वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्याम नरायण सिंह (अन्तरक)
2. श्री वीरेन्द्र कुमार एवं श्री उमाशंकर दीक्षित (अन्तरिती)
3. श्री श्याम नरायण सिंह  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री श्याम नारायण सिंह  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसीं अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान भव्य जमीन जो ग्राम बड़ागांव परगाना कोल असला जिला वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 15-11-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुबत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 नवम्बर 1976

निवेदा सं० 59-पी/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दृष्टि के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं बी-3/22 ए० बी०, सी० डी० है तथा जो मोहल्ला मदैनी बाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-3-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रमोदनी तापल  
उषा अवधार एवं मीना शाह।  
(अन्तरक)

2. श्री पवन कुमार सिंह,  
शुशीला सिंह, सरयू प्रसाद सिंह एवं  
श्री कृष्ण सिंह।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइ में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० बी-3/22, ए० बी०, सी० डी० जो मोहल्ला मदैनी बाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुबत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-11-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1976

निर्देश सं० हि० आर० 340/सि० 337/कल०-1/76-77—  
अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा,  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है।

और जिसकी सं० 5/1, है तथा जो अत्यार्थ जगदीश चन्द्र बोस रोड,  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गर्वमेन्ट प्रेस, नार्थ  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 3-6-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याद गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डा० बासबी सर्वाधिकारी  
(2) श्रीमती राजू गुप्त (3) श्रीमती  
अतसी राय (अन्तरक)
2. श्री कृष्ण दास पाल एण्ड श्रीमती मन्जुश्रीपाल  
(अन्तरिती)
3. (1) नाहार एण्ड कम्पनी (2) रवीन्द्र नाथ  
घोष (3) हिन्दुस्तान लाख मैनफैक्चरिंग कं०  
प्रा० लि० (4) के० डि० पाल  
(वह व्यक्ति जिसके अभियोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यशाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

5/1, (लोअर सर्किलर रोड, कलकत्ता में अवस्थित)  
आचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता में अवस्थित लगभग  
12 कट्ठा 7 छटांक 41 वर्ग फीट जमीन पर निवास का भकान

एस० के० चक्रबर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता ।

दिनांक : 11 नवम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुति प्राईटी एन० एस०—

1. आ विं सास्त्रयन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरनाकुलम कोचिन-16

एरनाकुलम, दिनांक 9 नवम्बर 1976

निदेश सं० एल० सी० 88/76-77—यतः मुझे, एस० एन० चन्द्रशूटन नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ खंड के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 2349 है, जो चेन्नगेशोर विलेज, तिरुवनन्तपुरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चालै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभस अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269वाँ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी :

2. (1) श्री पोटिवेल (2) मुरुगान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सन्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

22.250 Cents of land and a tourist home building on the plot bearing T.C. 23/560, Trivandrum—vide Schedule to Document No. 608/76 dated 11-3-1976.

एस० एन० चन्द्रशूटन नायर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरनाकुलम

तारीख : 9-11-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 195/76-77—यतः मुझे, कौ० एस०  
 वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
 से अधिक है

और जिसकी सं० 40/36 है, जो बेलारी रोड, में स्थित है  
 (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कर्बूल में भारतीय रजिस्ट्री-  
 करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-3-76  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सक्त  
 अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरम  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
 के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जी० सी० पापव्या और अन्य व्यक्ति,  
 कर्बूल। (अन्तरक)  
 (2) श्री एन० राम मोहनराव पुत्र  
 सुभाराव, कर्बूल। (अन्तरिती)  
 (3) प्रिन्सीपाल, सरकारी आर्ट्स कालेज,  
 कर्बूल।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

#### सम्पत्ति

संपत्ति नं० 40/36 जिसमें 1/4 का भाग जो बेलारी रोड,  
 1न कर्बूल में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र०  
 448/76 को सब-रजिस्ट्रार कर्बूल के दफ्तर में लिखा है।)

कौ० एस० वेंकटरामन  
 सम्म प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-11-76

मोहर :

प्रॅलप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 196/76-77—यतः मुझे, के० एस०  
बैंकटरामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 40/36 है, जो बेल्लारी रोड में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—356 जी आई/76

(1) श्री जी० सी० पापव्या और अन्य  
साथीदार, कर्नूल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० एफ० विराजीनिया पत्नी  
के० राज रत्नम्, कर्नूल।

(अन्तरिती)

(3) प्रिन्सीपल, सरकारी आर्ट्स कालेज,  
कर्नूल।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति नं० 40/36 जिसका 1/4 भाग जो बेल्लारी रोड,  
कर्नूल में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 448/76  
को सब-रजिस्ट्रार के दफ्तर में लिखा है।)के० एस० बैंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-11-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

( 1 ) श्री जी० सी० पापम्या और अन्य साथीदार, कर्नूल

( अन्तरक )

आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43) की धारा 269-घ ( 1 ) के अधीन सूचना

( 2 ) श्री के० राजरत्नम कर्नूल

( अन्तरिती )

भारत सरकार

( 3 ) प्रिन्सीपल, सरकारी आर्ट्स कालेज, कर्नूल ।

( वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है )

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ( निरीक्षण )

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 197/76-77—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) ( जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹० से अधिक है

और जिसकी सं० 40/36 है, जो बेलारी रोड में स्थित है ( और इससे उपान्दु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ( 1908 का 16 ) के अधीन 15-3-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक ( अन्तरकों ) और अन्तरिती ( अन्तरितियों ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

( क ) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

( छ ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिहें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 ( 1957 का 27 ) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा ( 1 ) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

( क ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

( ख ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

संपत्ति सं० 40/36, जिसका 1/4 का भाग, जो बेलारी रोड, कर्नूल में स्थित है। ( जैसे कि रजिस्ट्रीकूल विलेख क्र० 448/76 को सब-रजिस्ट्रार कर्नूल के दफ्तर में लिखा है। )

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त ( निरीक्षण )  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-11-76

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जी० सी० पापया और अन्य साथीदार

कर्नूल ।

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 198/76-77—यतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 40/36 है, जो बेल्लारी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपायारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) श्री एन० वेंकटसिवप्रसाद पुत्र सुल्ताराव,  
कर्नूल ।

(अन्तरिती)

(3) प्रिन्सीपल, सरकारी आर्ट्स कालेज,  
कर्नूल । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं० 40/36 जिसका 1/4 का भाग, जो बेल्लारी रोड, कर्नूल में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकरण विलेख क्र० 448/76 को सब-रजिस्ट्रार कर्नूल के दफ्तर में लिखा है।)

के० एस० वेंकटरामन  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-11-76

मोहर :

प्रॱॱप श्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री स्वयम्पाकुला श्यामसुन्दर मूर्ती  
पुत्र श्रीराम मूर्ती, संतापेट, नेल्लूर। (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 193/76-77—ग्रतः मुझे को० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका सं० 23 फेब्रुअरी नैठर वेंकटरामन की शिक्षा से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

(2) श्रीमती स्वयम्पाकुला वेंकटलक्ष्मी पत्नी  
डॉक्टर रामकृष्णमूर्ती  
संतापेट, नेल्लूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 86-1/2 सेंट्स अथवा 519 प्रकणम् है जो वार्ड नं० 23, सी० ए० एस० नं० 489/3, 488/2, 693/2, जो बिट-1, फतेखानपेट, नेल्लूर में स्थित है जिसका अनुसूची रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय के दस्तावेज नं० 487/76 में बतलाया गया है जो मार्च 1976 में रजिस्ट्री किया गया है।

को० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-11-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 194/76-77—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1946 है, जो कोर, मेट्रा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टिक्कावारापु पट्टाभीरामीरेड्डी पुत्र रामीरेड्डी

(2) श्री टिक्कावारापु कोनांक मनोहर

रेड्डी पुत्र पट्टाभीरामीरेड्डी

58, स्ट्रीट मार्क्स रोड,

बंगलोर-1

(अन्तरक)

(2) श्री यररमनेनी नागसंजीवाराव पुत्र  
कोटेश्वर राव, म्यानेजिंग  
डायरेक्टर, ईस्ट इंडिया ट्रेडिंग कंपनी  
लिमिटेड, नेल्लूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही श्रृंखला होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन की अनुसूची जैसे दिया गया है जो नेल्लूर के रजिस्ट्री कार्यालय में जो बिट-1 पंचायत, । सर्वे नं० 1946 में जो सूखी जमीन है जिसका ख क्षेत्रफल 3 एकर और 74 सेंट्स है जिसका चौहल्लदक्षि निम्न लिखित है।

पूर्व—30' का सङ्क

दक्षिण—गुडाला बुच्चरेड्डी के जमीन।

पश्चिम—इडियन ट्रेडिंग कंपनी के जमीन।

उत्तर—पोडासलकुर सङ्क।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल विलेख क्र० 591 दिनांक 22-3-76 को सब-रजिस्ट्रार नेल्लूर के दफ्तर में लिखा है।)

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11 नवम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 नवम्बर 1976

निदेश नं० एफ० डी० के०/एस० एस०/76-77—यतः  
मुझे, वी० आर० सगर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरमीत सिंह, श्री गुरपरीत सिंह,  
जसबीर सिंह, सुखवन्त सिंह सुपुत्रान  
श्री गुरबचन सिंह वासी गुरुद्वारा बाजार,  
माफंत जसबीर सिंह मारकीट कमेटी,  
कोटकपुरा। (अन्तरक)

2. मैसर्स शक्ति राईस मिल्ज, कोटकपुरा। (अन्तरिती)  
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो।  
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लाट कोटकपुरा में जो कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3625  
महीना मार्च 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में  
लिखा है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13-11-76

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंट टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० वय०-1051 (556)/16-2/75-76

—यतः मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ध  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से  
अधिक है,

और जिसकी सं० जो विक्रम विहार के नाम से प्रद्यात है है, जो  
मुख्य रोड पर, रेलवे स्टेशन के सामने, गोडल में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोडल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या  
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ध के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ध की जपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्वर्गीय गोडल की हर-हाइनेस राजकुवरवा दवगर—  
महाराजी साहेब के बसीयत नामा के अनुसार निष्पादक :—  
(1) वधवान की हर-हाईनेस जयकुमारीबा साहेबा हाल का  
पता : शक्ति भहल नं० 1, कुनिंग गांव रोड, बैगलोर।  
(2) पन्ना की राजकुमारी दिलहरकुमारी राजकुमारी साहेबा,  
राजमंदिर पैलेस, पन्ना (मध्य प्रदेश)। (अन्तरक)
2. मैसर्स लक्ष्मी एस्टेट एजन्सी,  
चैम्बूर, वार्ड-71, की ओर से भागीदार :—

- (1) श्री शिवजी प्रेमजी टांक, परीजत सोसायटी, 201  
गावठन रोड नं०-1, चैम्बूर, वार्ड-71।
- (2) श्री खीमजी प्रेमजी टांक, कुरबेल कारवाडी, गावठन  
रोड नं० 3, चैम्बूर-वार्ड-71।
- (3) श्री मानजी प्रेमजी टांक, कुरबेल कारवाडी, गावठन  
रोड नं० 3, चैम्बूर, वार्ड-71।
- (4) श्रीमती जयाबेन मानजी टांक, कुरबेल कारवाडी, गावठन  
रोड नं० 3, चैम्बूर, वार्ड-71।
- (5) श्री केशवलाल लीलाधर मेहता, घाटकोपर, महल  
रोड, चराई गांव, चैम्बूर, वार्ड-71।
- (6) श्री दोलतलाल लीलाधर मेहता, मार्फत एल० एल०  
मेहता, नं० 13, कस्तुर महल, सायन, वार्ड-22।
- (7) श्री जगजीवन हेमचन्द मेहता, मणी भुवन रम-नं० 3,  
चराई गांव, घाटकोपर, महल रोड, चैम्बूर-71।
- (8) श्री कनैयालाल बकनावरमल कोठारी, चैम्बूर नाका,  
सायन, ट्राम्बे रोड, वार्ड-71।
- (9) श्री सुन्दरलाल धूलचन्दजी, चैम्बूर नाका, सायन,  
ट्राम्बे रोड, वार्ड-71। (अन्तरिती)

4. (1) श्री मुकेश चन्द्र बाबू भाई,  
(2) श्री मुकुंद चन्द्र बाबूभाई, मार्फत बैंक आफ इन्डिया,  
घाटकोपर, महल रोड, चैम्बूर, वार्ड-71।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जो "विक्रम विहार" के नाम से  
प्रद्यात है तथा जिसका कुल क्षेत्रफल 12322-5-11-5-4  
वर्ग गज है तथा जो रेलवे स्टेशन के सामने, गोडल में स्थित है  
तथा जिसका पर्यंत विवरण 5-3-1976 वाले विश्वास के दस्तावेज  
नं० 13/76 में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-11-1976

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग  
नोटिस  
स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैंटिसेज परीक्षा, 1977

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

सं० एफ० ५/३/७६-ई०-I (बी०) भारत के राजपत्र, दिनांक 4 दिसम्बर, 1976 में रेल भवालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार यांत्रिक हंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में स्पेशल क्लास अप्रैंटिस के पदों पर नियुक्ति हेतु चयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इलाहाबाद, भोपाल, झस्बई, कलकत्ता, कटक, विल्सी, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिमला तथा लिंबौद्रम में 1 जून, 1977 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि आहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट किए गए उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अध्यया स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। वेखिए उपांधंध II, पैरा 11।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 10 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो स्थप्ये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीश्वार्ड या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

नोट 1:—आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण डाक द्वारा मंगाने के लिए भेजे जाने वाले अनुरोध आयोग के कार्यालय में 17-1-1977 के पहले पहुंच जाने चाहिए। परन्तु ये प्रपत्र आयोग के कार्यालय में काउंटर पर स्वयं जाकर मांगने वालों को 24-1-1977 तक मिल सकते हैं।

नोट 2:—उम्मीदवारों को जेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैंटिसेज परीक्षा, 1977

के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैंटिसेज परीक्षा, 1977 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 24 जनवरी, 1977 को या उससे पहले (24 जनवरी, 1977 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 7 फरवरी, 1977 तक) आवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ ₹० 36.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹० 9.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें जिससे वह “051 Public Service Commission Examination fees” के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक वर्ष अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो पैराग्राफ 6 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 की अवधि में भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ आस्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा से आस्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से आस्तविक रूप में प्रदेशावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया है, या अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन श्रीलंका से मूलतः भारतीय व्यक्ति है जिसके प्रव्रजन करने की संभावना है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो,

तो उसे रु० 21.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 5.000) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट II की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्थक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की शर्तों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के किए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबद्ध किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रूथी,  
उप-सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

#### उपाध्यक्ष

उम्मीदवारों को अनुबेदन

1. उम्मीदवारों को आहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियम ध्यान से पढ़ कर यह बेख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट महीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवारों को नोटिस के वेराप्राफ 1 में विए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः जुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीप में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 24 जनवरी, 1977 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीप में रह रहा था।

सरकारी नौकरी में या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों या निजी रोजगारों पहले काम करने से वाले सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो भी उस पर विचार 12—356GI/76

नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

किन्तु जो व्यक्ति पहले ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर नियम प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से कार्य कर रहे हैं वहसे पूर्व कि उन्हें परीक्षा में अन्तिम रूप से प्रवेश दिया जाए उन्हें अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है? उन्हें आवेदन-पत्र के अंत में दिए गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र की 2 प्रतियां निकाल कर अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेज देने आहिए और प्रमाण-पत्र के प्रपत्रों को तुरन्त ही अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत कर देना चाहिए कि वे विधिवत भरे प्रमाण-पत्र के प्रपत्र की एक प्रति सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को यथार्थी घोषणा और हर हालत में प्रमाण-पत्र के प्रपत्र में विनिर्दिष्ट तारीख से पहले भिजवा दें।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस के पैरा 5)
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियां ।
- (v) स्कूल और कालेज में उम्मीदवार के शिक्षण काल का संक्षिप्त विवरण जिसमें उसकी शैक्षिक तथा खेलकूद से संबद्ध सफलताओं का उल्लेख ही तथा जिसे वह स्वयं अपने हाथ से लिखे और उस पर हस्ताक्षर करे ।
- (vi) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4) ।
- (vii) जहाँ लागू हो वहाँ आयु में छूट/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि । (देखिए नीचे पैरा 5 और 6) ।

**नोट:**—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मध् (i), (iii), (iv) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजप्रिवित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सत्यापित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम सितम्बर, 1977 महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार

पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए आवृत्ति प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाब उपर्युक्त-प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होती हैं। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते उनको उम्मीदवारों द्वारा दी जाएगी और विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई बाबा नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (vi) और (vii) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिया गया है।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा इस प्रकार भरा जाए :—

Pap to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

किसी अन्य डाकघर या देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्रापट

बैंक ड्रापट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया, पार्लियमेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय ही तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक म देय बैंक ड्रापट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे फटे बैंक ड्रापट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक अध्ययन

समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में सिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

लोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही भेजनी चाहिए।

लोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाब जिसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई अन्य प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस प्रमाण के श्रीचित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत किए गए विश्वविद्यालय के हृष्टरमीडिएट या कोई अन्य अर्हक परीक्षा पास करने के प्रमाण-पत्र में सभी उत्तीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिसिपल के इस आशय के प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने अर्हक परीक्षा गणित के साथ साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर उत्तीर्ण की है।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 (ख) या नियम 6 (इ) लागू होता हो तो उसे अपनी शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण स्वरूप सम्बद्ध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार/कालेज के प्रिसिपल/संस्था के अध्यक्ष से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म में लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए।

**उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:**

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*

—सुपुत्र/सुपुत्री\*/श्री—

इस विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था\* के/की\* वास्तविक छात्र/छात्रा\* हैं/थे/थी\* ।

2. उन्होंने त्रिवर्षीय डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/पंचवर्षीय हंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/आमीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाओं में त्रिवर्षीय डिप्लोमा कोर्स की प्रथम परीक्षा\* जो —————— को समाप्त हुई, उत्तीर्ण कर ली है और उन्हें प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित विषयों में से किसी में भी फिर से परीक्षा में नहीं बैठना है।

#### अध्यक्ष

उन्होंने —————— विश्वविद्यालय द्वारा संचालित त्रिवर्षीय डिग्री कोर्स की प्रथम/द्वितीय\* वर्ष की परीक्षा/पंचवर्षीय हंजीनियरी डिग्री\* संकोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा श्रेणी में उत्तीर्ण कर ली है।

@ 3. उनके परीक्षा-विषय निम्नलिखित ये :—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

@पंचवर्षीय हंजीनियरी डिग्री कोर्स के विद्यार्थियों पर लागू नहीं होगा।

तारीख——— (रजिस्ट्रार/प्रिसिपल के हस्ताक्षर)  
स्थान——— विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था\* का नाम  
\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 के नीचे दिया गया नोट 1 लागू होता हो तो जिस संस्था से उसने परीक्षा पास की हो उसके प्रिसिपल/हृष्टरमास्टर से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके कुल अंक विषय-

विद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी की अंक सीमाओं के अंतर्गत आते हैं।

**नोट:**—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को निम्नलिखित निर्धारित फार्म में संबद्ध कालेज/संस्था के प्रिसिपल से एक प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उनको परीक्षा में बैठने विया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 16 अगस्त, 1977 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की अनुमति प्राप्त उम्मीदवार को, चाहे वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हो अथवा नहीं, उपर्युक्त प्रवधि के भीतर अर्हक परीक्षा पास करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। इस अनुदेश का पालन न करने पर उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वह अपना परिणाम जानने का अधिकारी नहीं होगा।

**उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:**

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*

—सुपुत्र/सुपुत्री\*

निम्न-

लिखित विषय लेकर —————— द्वारा

संचालित —————— परीक्षा म ——————

मास, 19 —————— में बैठने वाले/वाली\* है बठ

चुके/चुकी\* है :—

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)

प्रिसिपल के हस्ताक्षर

(कालेज/संस्था\* का नाम)

तारीख—————

स्थान—————

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।

(iv) फोटो की दो प्रतियाँ:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) के फोटो की दो एक जैसीं प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्यी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई आवेदन-पत्र उपर्युक्त पैरा 3(ii), 3(iii), 3(iv), तथा 3(v) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और इसे न भेजने के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है तथा इसकी अस्वीकृति के लिए किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत नहीं किए जाते वे आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के तुरन्त आद भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में (उपर्युक्त पैरा 3(iii) के नोट में दी गई व्यवस्था के अनुरिक्त) आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख के एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए। अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने या प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* \_\_\_\_\_ और/

सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री \_\_\_\_\_ या\* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा\* \_\_\_\_\_ जिला/मण्डल\* \_\_\_\_\_ राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\* \_\_\_\_\_ के/की\* निवासी हैं \_\_\_\_\_ जाति/जन जाति\* के/की\* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति\* के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950.\*

संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) आदेश, 1950.\*

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951.\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951.

(अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूची (आशीर्वाद) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1956.\*

संविधान (अंडमान और निकोबार-द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1959.\*

संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962.\*

संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1962.\*

संविधान (पांडिनेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964.

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967.\*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968.\*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968.\*

संविधान (नागरेंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970.\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\* \_\_\_\_\_ और/  
या\* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा\* \_\_\_\_\_ जिला/मण्डल\* \_\_\_\_\_ राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\* \_\_\_\_\_ में रहते/रहती\* हैं।

हस्ताक्षर

\*\*पदनाम

(कार्यालय की मोहर)

स्थान \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र\*

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां “आम तौर से रहते/रहती हैं” का अर्थ वही होगा जो “स्ट्रेंजेनेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सभी अधिकारी।

(i) ज़िला मैजिस्ट्रेट/ अतिरिक्त ज़िला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/ डिप्टी कमिश्नर/एडिशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/ एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट / एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर ।

†(प्रथम श्रणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट ।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इसाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/उचलपमेंट अफसर, लक्षद्वीप।

5. (i) नियम 5(ख), (ii) अथवा 5 (ख) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रव्रजन कर भारत आया है:—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों प्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेट।
- (2) उस क्षेत्र का ज़िला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) संबद्ध ज़िले में शरणार्थी पुनर्वासी कार्य के प्रभारी अतिरिक्त ज़िला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध-सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/ निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) नियम 5(ख) (iv) अथवा 5(ख) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रस्थावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गये इस आशय के प्रमाण-पत्र की

अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iii) नियम 5(ख) (v) अथवा 5(ख) (vii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले वर्षा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगन बारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके ज़िला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्षा से आया हुआ वास्तविक प्रस्थावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(iv) नियम 5 (ख) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए या जाम्बिया, मलावी, ज़ेरे और इथोपिया से प्रस्थावर्तित उम्मीदवार को उस क्षेत्र के ज़िला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(v) नियम 5 (ख) (ix) अथवा 5 (ख) (\*) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, पुनर्वासन रक्षा मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त भेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार हारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि युनिट \_\_\_\_\_ के रैक नं. \_\_\_\_\_ की \_\_\_\_\_ रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त\* भेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

पदनाम \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

\*जो शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 5 (ख) (xi) अथवा 5 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट बाहने वाले उम्मीदवारों को, जो सीमा सुरक्षी दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

**उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म**

प्रमाणित किया जाता है कि युनिट \_\_\_\_\_ के रैक नं. \_\_\_\_\_ की सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_  
पदनाम \_\_\_\_\_  
तारीख \_\_\_\_\_

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5 (i), (ii) और (iii) में किसी भी वर्ग के नोटिस के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से, यह दिखाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।

7. यदि किसी व्यक्ति के जिए पात्रता-प्रमाण-पत्र (एलिजि-बिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रेल मन्त्रालय (रेल बोर्ड) को आवेदन करनी चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा घौरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पत्र अथवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न उसमें कोई फेर-बदल करे और न की फेर-बदल किए गए छूटे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे वो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमूक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आविष्कारी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपनी आवेदन-पत्र की पावती (एक्सालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि यह नहीं यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दाये से बंचित हो जाएगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं की विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110006) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किंतु महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग सी ब्लाक बाबा खड़क सिंह मार्ग नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा का विक्री काउन्टर उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 तथा संघ लोक सेवा आयोग का कार्यालय धीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 और (iii) गवर्नरमेंट आफ़ इंडिया बुक छिपो, 8 के ० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा बेकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ़्सिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र व्यवहार:—आवेदन-पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र आविष्कारी संघ लोक सेवा आयोग, धीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा घौरा अभिवार्य रूप से दिया जाए।

1. परीक्षा का नाम

2. परीक्षा का महीना घौर वर्ष

3. रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जम्म-तिथि यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।

4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा अपेक्षित भौमों में)।

5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

ध्यान दें:—जिन पत्रों आविष्कारी में घौरा नहीं होगा सम्बन्धतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

14. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आविष्कार द्वारा भेजे गए, उसको बदले हुए पते पर भिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित घौरे के साथ यथा शीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है। किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 23rd October 1976

No. F.6/76-SCA(I).—Consequent upon his transfer to the Supreme Court of India from the Office of the Accountant General, Central Revenues, New Delhi under the scheme of separation of Accounts from Audit and pursuant to the provisions of the Departmentalisation of Union Accounts (Transfer of Personnel) Act 1976, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint on transfer Shri R. N. Gupta as Accounts Officer in the Pay and Accounts Office of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of 4 October, 1976, until further orders.

R. SUBBA RAO  
Deputy Registrar (Admn.)

CABINET SECRETARIAT  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 10th November 1976

No. D.7/73-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri D. Acharya IPS (UP) to officiate as Assistant Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment New Delhi with effect from forenoon of 12th October, 1976 until further orders.

The 16th November 1976

No. A-19036/17/76-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation, Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri A. D. Pawade and officer of Maharashtra State Police as officiating Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, on deputation, with effect from the forenoon of 30-10-76 until further orders.

P. S. NIGAM  
Administrative Officer (E)  
CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 12th November 1976

No. O-II-1038/75-Estt(CRPF).—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain, as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on an *ad-hoc* basis w.e.f. 25-10-76 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

No. O-II-1040/76-Estt.—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. M. Sreenivasa Reddy, as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on an *ad-hoc* basis w.e.f. 17-10-76 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

No. O-II-1049/76-Estt.—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. (Mts.) P. Sekharatnam, as Junior Medical Officer in the C.R.P. Force on an *ad-hoc* basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 27th Sept., 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 15th November 1976

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector Surender Mohan of CISF Unit, Rourkela

Steel Plant, Rourkela to officiate as Asstt. Commandant, CISF Unit, FCI, (P&D) Sindri w.e.f. 22-9-76 (FN) until further order and assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of same date.

L. S. BISHT  
Inspector General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 12th November 1976

No. Admn.I/5.5/Promotion/76.77/O.O. 915/2183.—Consequent upon their attaining the age of Superannuation, (58 years), the following Accounts Officers of this office have retired from Govt. Service w.e.f. 31-10-76 (AN).

Name (S/Shri) and Date of Birth :

1. K. J. Thadani, Permanent (A.O.)—27-10-1918.
2. R. M. Verma, (Offg. A.O.)—20-10-1918.

H. S. DUGGAL  
Sr. Dy. Accountant General (A)

MINISTRY OF DEFENCE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES  
D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta, the 10th November 1976

No. 77/76/G.—The D.G.O.F. is pleased to appoint the undermentioned Permt. Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Class II-Gazetted) in an offg. capacity with effect from the dates specified, until further orders :—

- (1) Shri Deb Prasad DUTTA—29th May, 1976.
- (2) Shri Soumendra Bhushan ROY—1st Jul., 1976.

No. 78/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri A. N. Saha, Offg. D.A.D.G.O.F. (Subst. & Permt. Asstt. Foreman) retired from service with effect from 31-1-76 (A/N).

The 12th November 1976

No. 79/G/76.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri M. Venugopal, Offg. Deputy Manager (Subst. & Permt. F'man) retired from service w.e.f. 31st August, 76/AN.

No. 80/76/G.—Shri S. K. Ghosh, Offg. Dy. General Manager (Subst. Dy. Manager), retired from service with effect from 13th Sept., 1976 (A/N) in terms of notice under Article 459(h) CSR.

No. 81/76/G.—Shri R. R. Tiwari, offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Storeholder), retired from service with effect from 30th July, 1976 (AN) in terms of notice under Art. 459(h) C.S.R.

No. 82/76/G.—Shri S. S. Jauhari, Subst. & Permt. Addl. DIRECTOR GENERAL, ORDNANCE FACTORIES, voluntarily retired from service with effect from 4th Oct., 1976 (AN).

No. 83/76/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri T. V. Anandan, Permt. Deputy General Manager retired from service on 31st Dec., 1975/AN.

M. P. R. PILLAI  
Assistant Director General, Ordnance Factories

**MINISTRY OF LABOUR**  
**COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION**  
Dhanbad-826003, the 9th November 1976

No. Admn.12(13)76.—Shri R. S. Kattare, a permanent Head Clerk is appointed as Assistant Secretary to the Coal Mines Welfare Commissioner in the pay scale of Rs. 550—25—750—EB—30—900/- in a temporary capacity w.e.f. 21-10-76 (A/N) until further orders.

R. P. SINHA  
Coal Mines Welfare Commissioner  
Dhanbad

**MINISTRY OF COMMERCE**  
**OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER**

Bombay-20, the 16th November 1976

No. EST.I-2(595).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 22nd September, 1976 and until further orders, Shri V. K. Srivastava, Assistant Director Gr. I (Non-Technical) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Deputy Director (Non-Technical) in the same office.

No. EST.I-2(613).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 26th August, 1976 and until further orders Shri C. J. Mathew, Assistant Director, Grade II (Non-Technical) in the Weavers' Service Centre, Bombay as Assistant Director, Grade I (Non-Technical) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

R. P. KAPOOR  
Textile Commissioner

**(DEPARTMENT OF EXPORT PRODUCTION)**  
**KANDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION**

Gandhidham, the 30th September 1976

No. FTZ/Admn/7/2/74/14273.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham-Kutch (Gujarat) hereby appoints Shri V. C. Raval, a Selection Grade Inspector of the Central Excise Collectorate, Ahmedabad as Security Officer, Kandla Free Trade Zone Administration on *ad-hoc* basis in the pay scale of Rs. 840—40—1000—40—1200 with effect from afternoon of 28th August, 1976 (Twenty-eighth August Nineteen seventysix) till Shri N. D. Jobanputra, Superintendent, Central Excise, Ahmedabad who has been selected for the post of Security Officer, joins his duties in this Administration or the post is filled in otherwise.

N. VITTAI  
Development Commissioner,  
Kandla Free Trade Zone

**DEPARTMENT OF EXPLOSIVES**

Nagpur, the 9th November 1976

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 6 Division 2, the words and figures "for carrying out trial manufacture and field trials at specified locations upto 31st March, 1977" appearing after the words "MULTI FUSE IGNITERS" shall be deleted.

I. N. MURTY  
Chief Controller of Explosives

**DEPARTMENT OF SUPPLY**  
**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS**  
**(ADMINISTRATION SECTION A-1)**  
New Delhi-1, the 11th November 1976

No. A-1/1/(1072):—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Hukam Singh, Junior Field

Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 23rd October, 1976 and until further orders.

The appointment of Shri Hukam Singh as an Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 12th November 1976

No. A-1/1(764).—The President is pleased to appoint Shri R. P. Singh, Assistant Director of Supplies (Grade I), Grade III of the Indian Supply service in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis or Deputy Director of Supplies, Grade II of the Indian Supply service in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 21st October, 1976 and until further orders.

K. L. KOHLI  
Deputy Director  
for Director General of Supplies & Disposals

(Admn. Section A-6)

New Delhi, the 15th November 1976

No. A-6/247(380)/76.—The President is pleased to appoint Shri U. R. Majumdar, Assistant Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engineering Branch of grade III of the Indian Inspection Service, Class I from the forenoon of 27-9-1976 until further orders.

Shri Majumdar relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) from 27-8-1976 in the office of the Director of Inspection Calcutta.

SURYA PRAKASH  
Dy. Director (Administration)  
for Director General of Supplies and Disposals

Calcutta-69, the 30th October 1976

NOTICE NO. D-I/Coh/DE dated 26-10-76

No. Cal/D-1/PO/134.—Whereas an inquiry under rule 14 of the Central Civil Services (classification, control & appeal) Rules 1965 is being held against Shri N. K. Malhotra, Deputy Director (under suspension), Directorate of Supplies & Disposals, Calcutta.

And whereas Shri S. C. Kapoor, Director of Inspection, Calcutta being appointed as Inquiry Officer is to inquire into the charges framed against the said Shri Malhotra the next date of departmental inquiry has been fixed on 7-12-76 at 11 A.M. Shri Malhotra is required to attend the hearing on the said date in the office of Director of Inspection, Calcutta with the defence assistant, if any. If Shri Malhotra fails to attend, the proceedings will be held *ex parte*.

N. B. DATTA  
Asstt. Director (Admn.)  
for Director of Supplies & Disposals

**ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-12, the 15th November 1976

No. F.104.4/76-Estt./20,467.—Shri S. R. Bhattacharjee, temporary Junior Administrative Officer (Group "B" Rs. 650-1200) of Zoological Survey of India is appointed in a substantive capacity as Junior Administrative Officer, with effect from 15th September, 1976.

DR. S. KHERA  
Joint Director-in-Charge  
Zoological Survey of India

## DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 15th November 1976

No. 12/8/71-Vig/SII.—Consequent on his selections as Scientist (Extension) Grade S-2 in the Central Potato Research Institute, Simla (I.C.A.R., New Delhi), Shri Mahabir Singh, Farm Radio Officer, has been relieved of his duties in All India Radio, New Delhi with effect from 27-9-1976 (A.N.).

S. V. SESADRI  
Deputy Director of Admn.  
for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION &amp; BROADCASTING

## FILMS DIVISION

Bombay, 26, the 11th November 1976

No. 6/62/57-Est.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri S. B. Walke, Permanent Laboratory Assistant, Films Division, Bombay, to officiate as Officer on Special Duty (Laboratory) in the Films Division, New Delhi, with effect from forenoon of the 22nd September, 1976.

The 15th November 1976

No. A-31014/1/76-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri Y. J. Keny, Permanent Assistant Maintenance Engineer and Officiating Maintenance Engineer as Maintenance Engineer in substantive capacity in the same Division with effect from the 29th March, 1976.

M. K. JAIN  
Administrative Officer  
for Chief Producer

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th November 1976

No. 17-40/73-Admn.I.—On his reversion from the post of Deputy Assistant Director General (Medical Stores), Medical Stores Depot, Hyderabad, Shri M. Ravikant resumed charge of the post of Assistant Secretary (IPC), Directorate General of Health Services, New Delhi, on the forenoon of the 19th October, 1976.

2. Shri V. K. Saxena relinquished charge of the post of Assistant Secretary (IPC) in the Directorate General of Health Services on the forenoon of 19th October, 1976.

S. P. JINDAL  
Deputy Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

## DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 10th November 1976

No. F. 2-11/76-Estt.(I).—Shri P. C. Chaudhary, Assistant Exhibition Officer (Grade II) is promoted to officiate at Assistant Exhibition Officer (Grade I), Group 'B' (Gazetted) (Non-Ministerial), in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), purely on *ad-hoc* basis with immediate effect until further orders.

N. K. DUTTA  
Director of Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 2nd November 1976

No. F.2-11/76-Estt.(I).—Shri P. C. Chaudhary, Assistant Engineering Division, hereby appoints Shri V. C. Vijaya-13—356GI/76

raghavan, a permanent Lower Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Administrative Officer in the Reactor Research Centre as Liaison Officer in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 25, 1976 until further order.

Shri Vijayaraghavan relinquished charge of the post of Assistant Administrative Officer in the Reactor Research Centre on the forenoon of October 25, 1976.

K. BALAKRISHNAN  
Administrative Officer

## RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 13th November 1976

No. RAPP/Recit./3(1)/76/402.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri Piara Singh, a quasi-permanent Assistant Foreman and officiating Foreman, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same Project with effect from the forenoon of 1st August, 1976 until further orders.

No. RAPP/Recit./3(1)/76/403.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri D. R. Alimchandani, a quasi-permanent Foreman as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same Project with effect from the forenoon of 1st August, 1976 until further orders.

No. RAPP/Recit./3(1)/76/404.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri Kamal Goswami, a quasi-permanent Scientific Assistant 'B' and officiating S.A. (C) as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same Project with effect from the forenoon of 1st August, 1976 until further orders.

No. RAPP/Recit./3(1)/76/405.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri S. K. Hussain, a quasi-permanent Foreman as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same Project with effect from the forenoon of 1st August, 1976 until further orders.

GOPAL SINGH  
Administrative Officer (E)

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 12th November 1976

No. 05000/G-74/7609.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri A. N. S. Govindasamy, a temporary Assistant Accounts Officer of Reactor Research Centre, to officiate as Accounts Officer (ii) in Heavy Water Project (Kota) in a temporary capacity, with effect from October 7, 1976 (FN) until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY  
Senior Administrative Officer

## MINISTRY OF TOURISM &amp; CIVIL AVIATION

## (DEPARTMENT OF INDIAN METEOROLOGICAL)

New Delhi-3, the 11th November 1976

No. E(1)04212.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. V. Subrahmanyam, Professional Assistant, Vishakhapatnam C.W.C. under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 20-10-76 to 16-1-77.

Shri Subrahmanyam, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to C.W.C. Visakhapatnam under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(I)04262.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. B. Roy, Prof. Assistant, Meteorological Centre, Gauhati, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eighty-nine days with effect from the forenoon of 4-10-76 to 31-12-76.

Shri Roy, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to Meteorological Centre, Gauhati under the office of the Director Regional Meteorological Centre, Calcutta.

The 15th November 1976

No. E(I)03974.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Harnam Singh, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of FORTYSEVEN days with effect from the forenoon of 8-11-1976 to 24-12-1976.

Shri Harnam Singh, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories New Delhi.

M. R. N. MANIAN  
Meteorologist  
for Director General of Observatories

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd November 1976

No. A.32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants as Assistant Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity and until further orders with effect from the date shown against each :

S. No., Name, Date from which appointed and station to which posted:

1. Sh. U. V. Radhakrishnan, 7-10-76 (FN), ACS. Madras.
2. Sh. H. C. Tewari, 29-9-76 (FN), CATC. Allahabad.

The 10th November 1976

No. A.31014/2/75-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. L. Sharma in the grade of Stores Officer in a substantive capacity in the Civil Aviation Department with effect from the 1st October, 1976.

H. L. KOHLI  
Deputy Director of Administration

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 2nd August 1976

No. 5/76.—Shri Thomas Rajan, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit

Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 15th July 1976 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

The 15th August 1976

No. 6/76.—Shri D. Srinivasan permanent Office Superintendent, promoted with effect from 12-10-76 to officiate as Assistant Chief Accounts Officer *vide* Madras Custom House Order No. 218/76 dated 12-10-76 assumed charge as Assistant Chief Accounts Officer on the forenoon of 12-10-76 at Madras Custom House.

G. SANKARAN  
Collector of Customs

Nagpur, the 12th November 1976

No. 33.—Consequent upon his promotion as officiating Superintendent of Central Excise, Group B, Shri P. G. Deshpande, Inspector (S.G.) of this Collectorate has assumed charge of Superintendent of Central Excise (Technical), Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of 21st October, 1976.

No. 34.—Consequent upon his promotion as officiating Superintendent of Central Excise, Group B, Shri M. R. Shirlekar, Inspector (S.G.) of this Collectorate has assumed charge of Superintendent (O. & M.), Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of 27-10-1976.

M. S. BINDRA  
Collector

#### OFFICE OF THE CONTROLLER OF INSURANCE

Simla-4, the 22nd December 1975

No. 33-IP(3)/42-F.—WHEREAS, I. G. H. DAMLE, Controller of Insurance, am satisfied that the affairs of the Society known as Eastern Provincial Provident Assurance Limited, have been fully wound up;

NOW, THEREFORE, in pursuance of the provisions of subsection (5) of Section 93 of the Insurance Act, 1938 (IV of 1938), I hereby declare the said Society dissolved.

G. H. DAMLE  
Controller of Insurance

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 16th November 1976

No. A-19012/454/73-Adm.V.—On repatriation from Water and Power Consultancy Services (I) Ltd., Shri R. K. Khanna, resumed charge of the post of Extra Assistant Director in the Central Water Commission on the forenoon of 19th October, 1976.

JASWANT SINGH  
Under Secy.  
for Chairman, C.W. Commission

#### MINISTRY OF RAILWAYS RESEARCH DESIGNS & STANDARDS ORGANISATION Lucknow-226011, the 11th November, 1976

No. EII/ES/CFM/O/ARCH: The undermentioned Officers are confirmed in the Architecture Directorate of Research Designs & Standards Organisation, Lucknow with effect from the date and post shown against each.

S. No.	Name	Present Designation	Date from which confirmed	Post against which confirmed
1. Sh. Y. P. Vadhra		Offg. Deputy Director (Arch) (senior scale)	7-6-1976.	Asstt. Director (Arch.) in Junior scale.
2. Sh. J. Y. Oke		Offg. Asstt. Architect. (class II)	1-11-1975.	Asstt. Architect in class-II.
3. Sh. S. Naimatullah		Offg. Ass't. Architect (class II)	7-6-1976.	Asstt. Architect in class II.

G. N. BHATTACHARYA,  
Director General

NORTHERN RAILWAY  
HEADQUARTERS OFFICE  
BARODA HOUSE

New Delhi, the 12th November 1976

No. 17.—Shri M. A. Umar, an officer of the Civil Engineering Department is confirmed in the Junior Scale in that Department on this Railway from 20-9-1968.

S. C. MISRA  
General Manager

SOUTH EASTERN RAILWAY  
GENERAL MANAGER'S OFFICE

Calcutta-700043, the 10th November 1976

No. P/G/14/300E.—The following Officiating Class II Officers of the Personnel Branch of this Railway are confirmed in that appointment with effect from the date noted against each. The Department to which each officer is allocated is also indicated.

*Sr. No., Name, Date of confirmation and Department which allocated :*

1. Shri A. Sanyasi Rao—4th May 1975.
2. Shri B. K. Guha—1st August 1975—Accounts.

M. MENEZES  
General Manager

N. F. RAILWAY  
GENERAL MANAGER'S OFFICE  
(PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 11th November 1976

No. E/28382 PXI(0).—Shri S. D. Singh, CRI (Cl. III) is appointed to officiate in Cl II service as Asstt. Commr. Supdt. with effect from 13-8-76.

No. E/283/III/129 PII(0).—Shri R. Barua, DSK (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt. Controller of Stores with effect from 20-8-1976.

No. E/283/82 PXI(0).—Shri T. M. Raghavan, TI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt. Commr. Supdt. with effect from 24-8-76.

No. E/283/82 PXI(0).—Shri N. Biswas, DYC (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Commercial Supdt. with effect from 26-8-76.

No. E/283/82 PXI(0).—Shri D. N. Bandhopadhyay, TI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Assistant Commercial Supdt. with effect from 26-8-76.

No. E/283/III/54/VIII(0).—Shri K. B. Ghosh, CMD (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad-hoc measure as Asstt. Mechanical Engineer with effect from 31-8-76.

No. E/283/III/54 PVIII(0).—Shri Y. Ambrose, ASS (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad-hoc measure as Asstt. Marine Supdt. with effect from 1-9-76.

No. E/283/III/54 PVIII(0).—Shri S. M. Chakraborty, SS (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad-hoc measure as Assistant Mechanical Engineer with effect from 17-9-76.

G. H. KESWANI  
General Manager

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION  
(DEPARTMENT OF SUPPLY)  
NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 18th October 1976

No. E-1255.—The Director, National Test House, Calcutta has been pleased to accept the resignation of Shri Phani Bhushan Mondal, a temporary Scientific Officer (Physical) in the National Test House, Alipore, Calcutta with effect from the afternoon of 18-10-76.

Shri Mondal relinquished charge of the office of the Scientific Officer (Physical) with effect from the afternoon of 18-10-76.

S. K. CHATTOPADHYAY  
Asstt. Director (Admn.)  
for Director  
National Test House

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

*In the matter of Companies Act, 1956, and of  
M/s. Salem Sri Kannikaparameswari Bank Limited*

Madras-600 006, the 4th November 1976

No. 2793/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Salem Sri Kannikaparameswari Bank Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of  
M/s. Bharathi Bus Lines Private Limited*

Madras-600 006, the 4th November 1976

No. DN/3867/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bharathi Bus Lines Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of  
M/s. Baladhandapani Electrical Manufacturers Private  
Limited*

Madras-600 006, the 4th November 1976

No. DN/4781/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Baladhandapani Electrical Manufacturers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of  
M/s. Metha Pharmaceuticals Private Limited*

Madras-600 006, the 4th November 1976

No. DN/5177/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Metha Pharmaceuticals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of  
M/s. Repro Photo Produx Private Limited*

Madras-600 006, the 4th November 1976

No. DN/5426/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Repro Photo Produx Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. BHASKER RAO  
Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, TRICHUR RANGE,

Trichur, the 12th November 1976

**ORDER**

SUB : *Assignment of Jurisdiction over Income-tax cases to the Income-tax Officers of Trichur Cadre.*

REF : *Order in C. No. 517(GL)/76-77 dated 3-11-1976.*

The order cited above is hereby cancelled with immediate effect.

B. J. CHACKO  
Inspecting Assistant Commissioner

## FORM ITNS—

(1) Ambassadors for Christ India "Allendale", Coonoor,  
Nilgiris.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

(2) Mr. Manappallil Abraham Thomas S/o Shri M. K.  
Thomas No. 11 Mc Pherson Road, Cooke Town,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 9th November 1976

Ref. No. F. 2914/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 4 & 5 (ALLENDELL), situated at Coonoor, the Nilgiris,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Coonoor (Doc. No. 226/76), on 10-3-1976.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Land measuring 99—<sup>8</sup><sub>16</sub> cents (with building known as "ALLENDELL") and bearing Door Nos. 4 and 5 Coonoor (Re. Survey No. 1181/2).

S. RAJARATNAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) A. M. V. Padagusalai Trust "Tiam House", 11/12 North Beach Road, Madras-1.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri M. Mohamed Yacub; &amp; Shri M. Sultan Abdul Cader S/o Shri M. K. M. Mohideen No. 27 Chetty Street, Adiramapattinam Pattukkottai Taluk, Tanjore District.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

(Transferee)

Madras-6, the 9th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 3576/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 109, situated at Pattamangalam Street, Mayuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Madras North (Doc. No. 1717/76) on March 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 12169 sq. ft. (with building & standing trees) and bearing T.S. No. 149/1, T.S. No. 148 and T.S. No. 147, Pattamangalam Street, Mayavaram, Thanjavur District.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-76.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 9th November 1976

Ref. No. F. 5141/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, Central Avenue at Srinagar Colony, Madras-15, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Madras-35 (Doc. No. 701/76), on 22-3-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Rajalakshmi Subbu, Shri C. V. Balasubramanyam, Shri C. V. Kumar, Shri C. V. Gurunathan & Shri C. V. Nagaraj—No. 2, Balaraman Road, Madras-600 020.

(Transferees)

(2) Dato Dr. T. Panch; Miss Veera Vijayalakshmi Panch; & Miss Neela Saraswathi Panch—No. 25/1-D East Third Cres St., Shenoynagar, Madras.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 5 grounds & 592 sq. ft. (with building) and bearing Door No. 22, Central Avenue, Srinagar Colony, Saidapet, Madras-15 (Patta No. 10).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 9-11-76.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Mrs. Amala Shankar W/o Mr. Uday Shankar Chowdhri No. 38, Golf Club Road, Calcutta-33.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, the 9th November 1976

Ref. No. F. 5157/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 37A and 37B, situated at Boag Road, T. Nagar, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 308/76), on 12-3-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri M. Kalyanasundaram; 2. Shri P. Manickam; 3. Shri K. T. Raju; 4. Shri M. V. Sundaram; 5. Shri M. Kathamuthu; and 6. Tamilnadu Council of the Communist Party of India—No. 14 South Boag Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 9 grounds & 2000 sft. (with building) and bearing Plot Nos. 37-A and 37-B Boag Road, Thyagaraya Nagar, Madras (T. S. No. 9350) (Survey Nos. 125/6, 125/9, 125/10 and 135).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 9-11-76.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Mrs. M. Navaneetham; Mr. S. Manickavasagam,  
No. 14/8A Vijayaraghavachari Road, T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Mrs. Dasari Padma W/o Dasari Narayana Rao,  
No. 9A, Bazulla Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.**

Madras-6, the 11th November 1976

Ref. No. F. 5133/75-76.—Wheras, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9A Bazullah Road, situated at T. Nagar, Madras (Main building), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. 368/76) on 29-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
14—356GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 2 grounds & 1337 sq. ft. (with building) situated at No. 9-A, Bazullah Road, T. Nagar, Madras-17 (Main building).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 11-11-1976,

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri A. S. Thangavelu Chettiar No. 21 Ellaiamman Koil St., Thirumalairajanpattinam Post, Pondicherry.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th November 1976

Ref. No. F. 3572/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. No. 104A, 104A/3, 104A/4, situated at Nethaji Road, Tiruvarur (T.S. Nos. 2505, 2506 & 2507) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagappattinam (Doc. No. 243/76) on 6-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Smt. Mahmuda Beevi, W/o Shri Abdul Majid Kamalia Street, Athikkadai Post, Nannilam Taluk, Thanjavur District; and 2. Smt. Rahmath Beevi, W/o Shri P. A. Mohamed Zackaria, Jawahar Street, Athikkadai Post, Nannilam Taluk, Thanjavur District.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 2715 sq. ft. (with building, furniture and fittings) situated at Door Nos. 104A, 104A/3 and 104A/4 Nethaji Road, Tiruvarur (T.S. Nos. 2505, 2506 and 2507).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. M. P. Arunachalam, Managing Partner, Sri Palaniappa Brick Works & Warehousing Corporation, No. 5, Raman St., Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. N. Vasanthal, W/o Shri K. M. Narayanan; & Shri N. Murugappan, No. 94, Seethamma Colony, Madras-18.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th November 1976

Ref. No. F. 5162/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 202/5A, situated at Nelson Manicka Mudaliar Rd, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam, Madras (Doc. No. 718/76), on March, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1605.36 sqm. (with building) situated at Door No. 202/5-A, Nelson Manicka Mudaliar Road, Madras-29.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 11-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Gnanambal; Shri T. Krishnamurthy,  
No. 9 Sydoji Lane, Triplicane, Madras-5.  
(Transferor)
- (2) Shri T. C. Raghupathy, Manager, Canara Bank,  
Gugai, Salem-6.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Madras-6, the 11th November 1976

Ref. No. F. 5166/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, Sydoji Lane, situated at Triplicane, Madras-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 129/76), on 3-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House, ground and premises No. 9, Sydoji Lane (Old No. 7) Triplicane, Madras-5 bearing OS No. 1368, RS No. 2661, CC No. AFC 1670 of the extent of about 1923 sq. ft.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Namazi Bibi, No. 4, Wheatcrofts Road, Nungambakkam, Madras-34.  
(Transferor)  
(2) Dr. Karuppaswami, Mrs. Ambika Devi, No. 4 Wheatcrofts Road, Nungambakkam, Madras-34.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th November 1976

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. 5172/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4, Wheatcrofts Road, situated at Nungambakkam, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Madras-1 (Doc. No. 1415/76), on March, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or  
(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 718.88 sqm. (with building) situated at Door No. 4, Wheatcrofts Road, Nungambakkam, Madras-34.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1976.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Mrs. M. Navaneetham; Mr. S. Manickayasanagam, No. 14/8A Vijayaraghavachari Road, T. Nagar, Madras-17.  
(Transferor)
- (2) Vellanki Venkatarathnamma, 9A, Bazullah Road (Guest House) T. Nagar, Madras-17.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.**

Madras-6, the 11th November 1976

Ref. No. F. 5133/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9A (Guest House), situated at Bazullah Road, T. Nagar, Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras-17 (Doc. No. 369/76) on 29-3-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admcasuring 1 ground and 1333 sq. ft. (with building—Guest House) situated at Door No. 9A, Bazullah Road, T. Nagar, Madras-17.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 11-11-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. C. Kanniah Naidu, 4-7, Gangadeeswarar Koil Street, Purasawalkam, Madras.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Zoyab Bhoy A. Matcheswala, 1/27, Kalmandapam Road, Royapuram, Madras-13.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 9th November 1976

Ref. No. 16/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 27/1, situated at Kalmandapam Road, Royapuram, Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 242/76), on 6-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(3) 1. Dr. S. C. Muthumani  
2. M/s. Trans Marina

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds and 160 sq. ft. with building thereon at door No. 27/1 (R.S. No. 3131/part), Kalmandapam Road, Royapuram, Madras-13.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-11-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri C. A. Abraham, C/o Vikrama Engineering Co., Adayar, Madras.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.**

Madras-6, the 9th November 1976

Ref. No. 44/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 664, situated at Anna Nagar, Madras-40, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 410/76) on March 1976. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 2.5 grounds at plot No. 664 (Sur. No. 7), Anna Nagar, Madras-40 with building.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-11-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 9th November 1976

Ref. No. 71/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Sur. No. 96, situated at Panniakulam village, Dharmapuri district  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barur (Doc. No. 119/76), on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
15—356GI/76

(1) Smt. Maimuna Bi, W/o Shri A. S. Akbar Basha, Shri Ummar Ali, Shri Babu and Miss Gulzar Begum, minors by mother and guardian Smt. Maimuna Bi, Bazaar Street, Haru.

(2) Smt. Nallammal, W/o Shri R. Subramaniam, Panniakulam village, Tippapatti P.O. Harur taluk, Dharmapuri district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 14.82 acres in survey No. 96, Panniakulam village, Harur taluk, Dharmapuri district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 9-11-1976.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.**

Madras-6, the 9th November 1976

Ref. No. 72/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sur. No. 96, situated at Panniakulam village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barur (Doc. No. 120/76), on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Maimuna Bi, W/o Shri A. S. Akbar Basha, Shri Unimar Ali, Shri Babu, Miss Gulzar Begum minors by mother and guardian Smt. Maimuna Bi, Bazaar Street, Harur.

(Transferor)

(2) Shri R. Subramaniam, S/o Ramasamy Gounder, Panniakulam village, Dharmapuri district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 15 acres in survey No. 96, Panniakulam village, Dharmapuri district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 9-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. C. Venkatachalam & C. Sudarsana Srinivasan,  
435, Poonamallee High Road, Madras-10.NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Subash Kumar Jain, No. 63, Audiappa Naick  
Street, Madras-1.OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

(Transferee)

Madras-6, the 11th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 19/MAR/75-76.—Wheras, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. 154, situated at Vasu Street, Kilpauk, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 306/76), on March, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Land measuring 1 ground 1310 sq. ft. with buildings at (R.S. No. 154) Vasu Street, Kilpauk, Madras-10.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 11-11-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) M/s. C. Venkatachalam & C. Sudarsana Srinivasan,  
435, Poonamallee High Road, Kilpauk, Madras-10.  
(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Sabudhi Nath Jain, 63, Audiappa Naick Street, Madras-1.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.**

Madras-6, the 11th November 1976

Ref. No. 20/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. 154/part, situated at Vasu Street, Kilpauk, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 307/76), on March 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land measuring 1 ground and 1310 sft. in R.S. No. 154, Vasu Street, Kilpauk, Madras-10.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 11-11-1976.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.**

Madras-6, the 10th November 1976

Ref. No. 73/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 183 & 188, situated at Perumpalai village, Dharmapuri district (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pennagaram (Doc. No. 271/76), on 29-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. 1. Govindasamy,  
2. Sivakolundu,  
3. Srinivasan,  
4. Kamalanathan,  
5. Vasu,  
6. Sundaram,  
7. Murthi,  
8. Velayudham,  
9. Sadashivam,  
10. Narayanan,  
11. Kannan,  
12. Karnan  
13. Mathes  
14. Natarajan  
15. Nagarajan  
16. Murugesan
- } minors by father &  
} guardian Shri  
} Srinivasan  
} Shri Narayanan  
} minors by father & guardian  
} minor by father  
Shri Kannan
- (Transferors)

- (2) Shri L. Shanmugam, Village Karnam, Perumbalai village, Dharmapuri district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands measuring 6.27 acres in survey Nos. 183 (3.29 acres) and 188 (2.98 acres with one well) in Perumbalai village, Dharmapuri district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 10-11-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri R. Chinnasamy, Drill Master, High School, Harur, Dharmapuri district.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ganapathi (alias) Muthu Gounder, Kattukottai, Harur town.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

Madras-6, the 10th November 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 74/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 211/3, 6, 7 & 212/4, situated at Harur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harur (Doc. No. 434/76), on 30-3-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands 6.17 acres in survey Nos. 211/3 (3.04 acres with a well and pumpset), 211/6 (0.30 acres), 211/7 (0.97 acres), 212/4 (1.86 acres), Harur town, Dharmapuri district.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. S. Subbaraja, 55, P.S.K. Nagar, Rajapalayam, Ramnad district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th November 1976

Ref. No. 75/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 11/4-7 & 12/2, situated at Seevalaperi Road, Palayamcottai, Tirunelveli  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palayamcottai (Doc. No. 470/76), on March, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s. P. S. Subbaraja Real Estates (P) Ltd., 117, Railway Road, Tekasi 627.811.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.23 acres with buildings thereon in door Nos. 10-A, 10-B, 11 & 12 (T.S. Nos. 11/4, 11/5, 11/6, 11/7 and 12/2), Seevalaperi Road, Palayamcottai, Tirunelveli.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitates the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri P. S. Jagannatha Raja, Railway Road, Tenkasi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. P. S. Subbaraja Real Estate (P) Ltd., 117, Railway Road, Tenkasi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th November 1976

Ref. No. 76/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 117 & 118, situated at Railway Road & 50A & 51, Arasoor Nangaiamankoil Street, Tenkasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenkasi (Doc. No. 374/76), on 22-3-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 29 cents with buildings thereon at door Nos. 117 & 118, Railway Road and 50A & 51, Arasoor Nangai Amman Koil Street, Tenkasi (Survey Nos. 288 & 289).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Hajia Khulsum Begum, 14, Victoria Crescent Road, Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th November 1976

Ref. No. 10/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Victoria Crescent Road, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 1385/76) on March, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
16—356GI/76

(2) Mrs. Fakhri Khaleeli, 14, Victoria Crescent Road, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land measuring 1 ground 1312 sq. ft. at door No. 14 (R.S. No. 1633/16)/part, Victoria Crescent Road, Madras-8.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-11-1976.

Seal ;

## FORM ITNS

(1) Mrs. Hajia Khulsum Begum, 14, Victoria Crescent Road, Madras-8.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th November 1976

Ref. No. 18/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Victoria Crescent Road, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 362/76), on March 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 1 ground 1312 sq. ft. at door No. 14 (R. S. No. 1633/16), Victoria Crescent Road, Madras-8.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th November 1976

Ref. No. 61/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 206/2, 207/3, 207/1, 211/1, situated at Omalur, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Omalur (Doc. No. 487/76) on March 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri O. C. Narayanaswamy Naidu,  
2. Shri N. Rajasekharan,  
3. Miss Nanjula,  
4. Shri Megavarnam  
(minors by father & guardian  
Shri Narayanasamy Naidu).  
Kottamettupatti village, Omalur taluk, Salem Dt.  
(Transferors)

(2) Shri Ramasamy Gounder, Chittanoor Kollapatti,  
Ariagoundampatti village, Salem taluk.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands measuring 4.98 acres in Omalur village, Salem district bearing the following survey Nos :

Survey No.	Acre	Cent
206/2	0	29
" 207/3	1	11
" 207/1	0	82 (with well & 5 HP motor pumpset)
" 219/1	9	76 motor pumpset)
" 212/4	(half share in 3 HP pumpset).	

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-11-1976.

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shri S. Damodaran, No. 69, Coronation Colony, Sivakasi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th November 1976

Ref. No. 77/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 103 & 103/A & 101, situated at Jawaharlal Nehru Road, Sivakasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sivakasi (Doc. No. 408/76) on March, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 12½ cents with building at door No. 103 (S. No. 595/1 & 595/2), 103A and 101, Jawaharlal Nehru Road, Sivakasi.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Smt. Vasanthal, W/o Shri S. K. Sundararajan, 2. Shri Bakkiam, W/o Shri Perjasamy, 3. Smt. Senthiammal, W/o Shri Kalichamy, 4. Shri Subbiab, S/o Chinna Gurswamy Nadar, Sivakasi.

(Transfers)

(2) Shri S. K. Sundararajan, Viswanathan Road, Sivakasi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th November 1976

Ref. No. 78/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 279/1B, situated at Naranapuram village, Srivilliputhur taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sivakasi (Doc. 482/76), on March 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 12 5/16 cents in Survey No. 279/1B, (with buildings) at Naranapuram village, Srivilliputhur taluk.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri V. Badrinarayanan, Plot No. 381, First Main Road, Indira Nagar, Madras.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Raja Metals Corporation, No. 501, Mint Street, Madras-3.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 15th November 1976

Ref. No. 11/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 501, situated at Mint Street and No. 7, Tirumalai Lane, Park Town, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 147/76) on 8-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground 1547 sq. ft. & 1287 sft. with buildings thereon at door No. 501 Mint Street and door No. 7, Tirumalai Lane, Park Town, Madras-3 respectively (R.S. No. 10155).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons; namely :—

Date : 15-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri G. Rajarathina Naicker, No. 6, Veerasamy Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. 1. K. Ravindran, 2. K. Krishna, 3. K. Asokan, 4. K. Balaji, 70/9, Rama Naicken Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 15th November 1976

Ref. No. 15/MAR/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-A, situated at Somu Chetty 6th Lane, Royapuram, Madras-13, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 249/76), on March, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 2440 sq. ft. with building thereon at door No. 9-A, Somu Chetty 6th Lane (R.S. 1027/75), and vacant land measuring 1500 sq. ft. (with well, pump, etc.), at door No. 9, Somu Chetty 6th Lane, Madras-13, (R.S. No. 1027/23-part).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri R. Krishnakumar, Son of Ramaraj Gounder, Kamayagoundanpatti, Uthamapalayam taluk.  
(Transferor)

(2) Shri P. K. Murugesan, S/o K. P. Kamaraj, Keezhakudalur village, Uthamapalayam taluk.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th November 1976

Ref. No. 21/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2113/2, situated at Keezhakudalur & 2337/2A, Melakudalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cumbum (Doc. No. 1349/76), on 15-5-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in agricultural lands measuring 3 acres 92 cents (1/3rd share 1 acre 30 cents) in Survey No. 2113/2, Keezhakudalur village and undivided share of 1.58 acres in 2 acres 98 cents in survey No. 2337/2A, Melakudalur village, Uthamapalayam taluk.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Shantidev General Agencies (P) Ltd.,  
121, Choolai High Road, Madras-7.  
(Transferor)
- (2) M/s. Anand Builders,  
23, Lazarus Church Road,  
Madras-28.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 15th November 1976

Ref. No. 43/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 73, situated at Poonamallee High Road, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 411/76), on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 6 grounds and 720 sq. ft. at door No. 73 (R. S. No. 45A), Poonamallee High Road, Madras-10 (with shed, compound wall, etc.)

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—356 GI/76

Date : 15-11-1976

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 15th November 1976

Ref. No. 60/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 90/1, situated at Melakandamangalam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchuzhi (Doc. No. 727/76) on May 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Perumal Nadar, 2. Valarmathi (minor), 3. Gandhimathi (minor), 4. Jawahar (minor), by father & guardian Shri Perumal Nadar Abiramam village, Mudukulathur taluk.

(Transferor)

(2) M/s. 1. Valveema Nadar, 2. Arunachala Nadar, 3. Thangasamy Nadar, 4. Chandrasekharan, 5. Inbasekharan, Tiruchuzhi, Aruppukottai taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 8 acres 73 cents in survey No. 90/1, Melakandamangalam village, Aruppukottai taluk (with one well and 3 HP motor pumpset).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 15-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Samanthakamma, W/o Shri B. V. Ramanujam Chetty, 48, Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. K. Rajamanickamma &amp; Shri K. Madankumar (minor) by mother &amp; guardian Smt. Rajamanickamma, No. 51, Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th November 1976

(3) M/s. 1. M. Thirunavukkarasu 2. K. Ramakrishnan 3. M. Santhanam 4. Y. Ramaji 5. Y. Rajagopal Chetty 6. K. Narasimbalu Chetty 7. M. Nandagopal 8. Venkatasubramaniam 9. Brook Bond Tea Co. Ltd.

[Person in occupation of the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 37/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48, situated at Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 180/76), on March 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in land measuring 1 ground and 42 sq. ft. with building thereon at door No. 48 (R.S. No. 1391), Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. S. Pushpa, W/o Shri Srinivasalu, 45, Thatha Muthiappan Street, Madras-1.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

(2) Smt. K. Rajamanickamma & Shri K. Madankumar (minor) by mother & guardian Smt. Rajamanickamma, 51, Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferee)

(3) M/s. 1. M. Thirunavukkarasu, 2. Ramakrishnan, 3. M. Santhanam, 4. Y. Ramaji, 5. Y. Rajagopal Chetty, 6. K. Narasimhalu Chetty, 7. M. Nandaganal, 8. Venkatasubramaniam, 9. Brook Bond Tea Co. Ltd.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. 38/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48, situated at Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 181/76), on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in land measuring 1 ground and 42 sq. ft. with building thereon at door No. 48 (R.S. No. 1391), Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN.  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. 39/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-

NATHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 48, situated at Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 182/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. T. Anuratha,  
W/o. Shri Sathyanarayana Chetty,  
121, Govindappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) Smt. K. Rajamanickamma, W/o Shri K. Suriah Chetty, and Shri K. Madankumar (minor) by mother and guardian Smt. Rajamanickamma, 51, Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferee)

(3) M/s. 1. M. Thirunavukkarasu, 2. K. Ramakrishnan, 3. M. Santhanam, 4. Y. Ramaji, 5. Y. Rajagopal Chetty, 6. K. Narasimhalu Chetty, 7. M. Nandagopal, 8. Venkatasubramaniam, 9. Brook Bond Tea Co. Ltd.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATIONS :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in land measuring 1 ground and 42 sq. ft. with building thereon at door No. 48 (R.S. No. 1391), Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 18-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. R. Vitto Bai, W/o Shri Nagaraj Chetty, 81, Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. 40/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48, situated at Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 183/76), on March 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. K. Rajamanickamma, W/o Shri K. Suria Chetty, and Shri K. Madankumar (minor) by mother &amp; guardian Smt. Rajamanickamma, 51, Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferee)

(3) M/s. 1. M. Thirunavukkarasu, 2. K. Ramakrishnan, 3. M. Santhanam, 4. Y. Ramaji, 5. Y. Rajagopal Chetty, 6. K. Narasimhalu Chetty, 7. M. Nandagopal Venkatasubramaniam, 9. Brook Bond Tea Co. Ltd.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in land measuring 1 ground and 42 sq. ft. with building thereon at door No. 48 (R.S. No. 1391). Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Usha Rani, W/o Shri Dwarakanathan, 14, Reddy Raman Street, Madras-1.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. 41/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48, situated at Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 184/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. K. Rajamanickamma, wife of Shri K. Suriah Chetty, and Shri K. Madankumar (minor) by mother & guardian Smt. K. Rajamanickamma, 51, Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferee)

(3) M/s. 7, M. Thirunavukkarasu, 2, K. Ramakrishnan, 3, M. Santhanam, 4, Y. Ramaji, 5, Y. Rajagopal Chetty, 6, K. Narasimhalu Chetty, 7, M. Nandagopal 8, Venkatasubramaniam, 9, Brook Bond Tea Co. Ltd.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in land measuring 1 ground and 42 sq. ft. with building thereon at door No. 48 (R.S. No. 1391), Vaidyanatha Mudali Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. R. Rajammal, W/o Shri T. H. V. Ramachandra Naidu Nageswari, Dhadampatti P.O. Salem-4.  
(Transferor)
- (2) Shri P. K. Subramaniam, S/o Kandasamy Gounder, Kattuvalavu, Dhadampatti P.O. Salem-4.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th November 1976

Ref. No. 23/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52/2, situated at Dhadampatti, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at Salem East (Doc. No. 470/76) on 8-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Properties in survey No. 52/2, Dadhampatti village, Salem district covered by Doc. No. 470/76 registered by the Sub Registrar, Salem East.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 17-11-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 16th November 1976

Ref. No. III-223/Acq/76-77/2425.—Whereas, I, S. S. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing K. No. 26, Part of Plot No. 813, situated at Kanke Road Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—356GI/76

(1) Smt. Banarsi Devi More,  
W/o Sri Durga Prasad More,  
At 97, Vivekanand Road,  
Calcutta-6.

(Transferor)

(2) Smt. Draupadi Devi Modi,  
W/o Sri Basudeo Modi,  
At 44, Kailash Bose Lane,  
Howrah.

(Transferee)

(3) Shri Govind Deo Brahmchari,  
Resident of Dist. Deoria (U.P.).  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building Khata No. 26, 2/7 of Plot No. 813 Total area 54 Bighas situated at Kanke Road Ranchi as described in deed No. 1545 dated 27-3-1976.

S. S. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 16th November 1976

Ref. No. III-224/Acq/76-77/2426.—Whereas, I, S. S. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K. No. 26, Part of Plot No. 813 situated at Kanke Road Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Banarsi Devi More,  
W/o Sri Durga Prasad More,  
At 97, Vivekanand Road,  
Calcutta-6.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi Bagla,  
W/o Sri Ram Gopal Bagla,  
1, Beoden Street, Calcutta.

(Transferee)

(3) Shri Govind Deo Brahmcharji,  
Resident of Dist. Deoria (U.P.).  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land with building Khata No. 26, 2/7 of Plot No. 813 Total area 5½ Bighas situated at Kanke Road, Ranchi as described in Deed No. 1543 dated 27-3-1976.

S. S. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Banarsi Devi More,  
W/o Sri Durga Prasad More,  
At 97, Vivekanand Road,  
Calcutta-6.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Movie Picture Pvt. Ltd.,  
87B, Chittaranjan Avenue,  
Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

(3) Shri Govind Deo Brahmchari,  
Resident of Dist. Deoria (U.P.).  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Patna, the 16th November 1976

Ref. No. III-225/Acq/76-77/2427.—Whereas, I, S. S. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K. No. 26, Part of Plot No. 813 situated at Kanke Road Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building Khata No. 26, 2/7 of Plot No. 813. Total area 5½ Bighas situated at Kanke Road, Ranchi as described in Deed No. 1544 dated 27-3-76.

S. S. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Banarsi Devi More,  
W/o Sri Durga Prasad More,  
At 97, Vivekanand Road,  
Calcutta-6.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 16th November 1976

(2) Shri Anand Kumar Modi,  
S/o Sri Basudeo Modi,  
At 44, Kailash Bose Lane,  
Howrah.

(Transferee)

(3) Shri Govind Deo Brahmchari,  
Resident of Dist. Deoria (U.P.).  
[Person in occupation of the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. III-226/Acq/76-77/2428.—Whereas, I, S. S. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 102, plot No. 814 (part) situated at Kanke Road Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-8-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land with building at Kanke Road Ranchi, Khata No. 102, 1/7 (Part) of Plot No. 814 out of total area 5½ Bighas as described in Deed No. 1552 dated 27-3-1976.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. S. SINHA

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Banarsi Devi More,  
W/o Sri Durga Prasad More,  
At 97, Vivekanand Road,  
Calcutta-6.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Muvie Pictures Pvt. Ltd.,  
87B, Chittaranjan Avenue,  
Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

(3) Shri Govind Deo Brahmchari,  
Resident of Dist. Deoria (U.P.).  
[Person in occupation of the property]

Patna, the 16th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. III-227/Acq/76-77/2429.—Whereas, I, S. S. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 102, plot No. 814 (part)  
situated at Kanke Road Ranchi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land with building at Kanke Road, Ranchi, Khata No. 102, 2/7 (Part) of Plot No. 814 out of total area 5½ Bighas as described in Deed No. 1551 dated 27-3-1976.

S. S. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Banarsi Devi More,  
W/o Sri Durga Prasad More,  
At 97, Vivekanand Road,  
Calcutta-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Draupadi Devi Modi,  
W/o Sri Basudeo Modi,  
44, Kailash Bose Lane, Howrah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

(3) Shri Govind Deo Brahmchari,  
Resident of Dist. Deoria (U.P.).

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Patna, the 16th November 1976

Ref. No. III-228/Acq/76-77/2430.—Whereas, I, S. S. SINHA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 102, plot No. 814 (part) situated at Kanke Road Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land with building at Kanke Road Ranchi, Khata No. 102, 2/7 (Part) of Plot No. 814 out of total area 5½ Bighas as described in Deed No. 1550 dated 27-3-76.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

S. S. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Banarsi Devi More,  
W/o Sri Durga Prasad More,  
At 97, Vivekanand Road,  
Calcutta-6.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi Bagla,  
W/o Sri Ramgopal Bagla,  
1, Beoden Street, Calcutta.

(Transferee)

(3) Shri Govind Deo Brahmehati,  
of Distt. Deoria, (U.P.).  
[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Patna, the 16th November 1976

Ref. No. ITI-229/Acq/76-77/2431.—Whereas, I, S. S. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 102, plot No. 814 (part)

situated at Kanke Road Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building at Kanke Road Ranchi, Khata No. 102, 2/7 (Part) of Plot No. 814 out of total area 5½ Bighas as described in Deed No. 1549 dated 27-3-76.

S. S. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 16th November 1976

Ref. No. III-230/Acq/76-77/2432.—Whereas, I, S. S. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 26, Plot No. 813 (part)  
situated at Kanke Road Ranchi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-1976  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957) (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Banarsi Devi More,  
W/o Sri Durga Prasad More,  
At 97, Vivekanand Road,  
Calcutta-6.

(Transferor)

(2) Shri Anand Kumar Modi,  
S/o Sri Basudeo Modi,  
44, Kailash Bose Lane,  
Howrah.

(Transferee)

(3) Shri Govind Deo Brahmchari,  
of Distt. Beoria (U.P.).

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land with building at Kanke Road Ranchi, Khata No. 26, 1/7 (part) of Plot No. 813 out of total area 5½ Bigha as described in Deed No. 1546 dated 27-3-76.

S. S. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. M. J. Palit,  
Hehal, Ratu Road, Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ram Bearings Ltd.  
Ratu Road, Ranchi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 16th November 1976

Ref. No. III-231/Acq/76-77/2433.—Whereas, I, S. S. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 1862 W. No. II-C, Hehal, situated at Ratu Road Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 12-3-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 37 Kattas with building at Hehal, Ranchi. Holding No. 1862, Ward No. II-C as described in Deed No. 3440 dated 12-3-76.

S. S. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax;  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19-356 GI/76

Date : 16-11-1976

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 16th November 1976

Ref. No. III-232/Acq/76-77/2434.—Whereas, I, S. S. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1574 and 1601 situated at Argora, Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 10-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Fr. Marsal Minj  
S/o P. Dayal Minj,  
Harmu Road, Ranchi,  
C/o Bishop's House, Purulia Road,  
Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Pabrin Kumar Parthy,  
of Harmu Road, Ranchi,  
C/o Prior Franciscan Centre,  
Purulia Road,  
Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land area 1.74 acres at Argora Ranchi, Plot Nos. 1574 and 1601 as described in Deed No. 3330 dated 10-3-76.

S. S. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Date : 16-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 16th November 1976

Ref. No. 111-233/Acq/76-77/2435.—Whereas, I, S. S. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

K. No. 2 Plot No. 1498/A

situated at Hinoo, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 22-3-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Subhash Chandra Paul,  
C/o M/s. Midland Hotel,  
Anandpur Ranchi.

(Transferor)

(2) 1. Sri Vijoy Kumar Singh,  
S/o Late Ram Sagar Singh, Sri Ashwani Kumar Singh, S/o Sri Ram Raj Singh  
At and P.O. Chautha, P.S. Bachwara  
Dist Begusarai, Present Address c/o Shri R. K. Singh, Magistrate, Ranchi Court, Ranchi,  
3. Sri Ramendra Prasad Singh  
Alas Om Narain Singh.  
Sri Ramendra Nath Singh both sons of  
Late Rajendra Singh,  
At and P.O. Hinoo, Ranchi.  
5. Sri Ajit Kumar Singh  
S/o Sri Bir Vijay Singh,  
C/o C/5, Doranda Ranchi.  
6. Sri Umesh Kumar  
S/o Sri Suresh Prasad,  
Teacher, H.E.C., Dhurwa Ranchi.  
7. Smt. Saraswati Devi,  
W/o Late Lakshmi Narain Verma  
C/o Sri Uma Shankar Prasad,  
Librarian H.E.C. Dhurwa, Ranchi.

(Transferees)

(3) Ramsat, Khatalwala,  
Hinoo, Ranchi.

(Person in Occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land area 1.13 acres, Khata No. 2, Plot No. 1498/A at Hinoo, Ranchi as described in Deed No. 3862 dated 22-3-76.

S. S. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,  
Bihar, Patna.

Dated : 16-11-76.

Seal :

**FORM ITNS**(1) Smt. Sakhi Devi w/o Sri Narain Das Agarwal  
r/o Holigate, Mathura.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Mathli Saran Shukla s/o Sri Jai Gobind Shukla  
r/o 15/284, Civil Lines, Kanpur.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
KANPUR**

Kanpur, the 8th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. Acq/181/Chibramau/76-77/1941.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chibramau on 22-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property (Plant and Machinery in the Cold Storage) situated at Sikandra Cold Storage Parg & Teh. Chibramau Distt. Farrukhabad, transferred for an apparent consideration for Rs. 70,000/-.

**THE SCHEDULE**

VIJAY BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Heerasundari d/o Late Sri Prem Sagar  
r/o Moti Sagar's house Daribakalan, Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 8th November 1976

Ref. No. F. Acq/235/76-77/Dehradun/1946.—Whereas,  
I, VIJAY BHARGAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Dehradun on 19-4-1976,

for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(2) Shri Kunwar Brijendra Singh s/o Sri Ch. Nepali  
Singh, r/o Bungalow No. 307 Meerut Cantt.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act, shall  
have the same meaning as given in that  
Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property portion of the property 'OAK  
COTTAGE' measuring 0.50 acres situated at Oak Road  
Landour Mussoorie, transferred for an apparent consideration  
for Rs. 25,000/-.

VIJAY BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 8-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Jageshwari Kishore w/o Sri Rajbans Kishore  
r/o 5/8 Roop Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th November 1976

Ref. No. F Acq/236/Dehradun/76-77/1945.—Whereas,  
**I, VIJAY BHARGAVA,**  
 being the Competent Authority under Section  
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
 the immovable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing  
 No. As per schedule situated at As per schedule  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Dehradun on 19-4-1976  
 for an apparent consideration which  
 is less than the fair market value of the aforesaid property and  
 I have reason to believe that the fair market value of the  
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-  
 for by more than fifteen per cent of such apparent considera-  
 tion and that the consideration for such transfer as agreed  
 to between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-  
 movable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Immovable property a part of Oak Cottage measuring 0.65 acres situated at Oak Road Landour Mussoorie Distt. Dehra-  
 dun, transferred for an apparent consideration for Rs. 20,000/-.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**VIJAY BHARGAVA**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Inder Pratap Singh, 2. Sri Dev Pratap Singh,  
3. Sri Mahendra Pratap Singh all r/o D-48, Hauz  
Khas, New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Surya Bala Gupta r/o 274, Lunia  
Mohalla, Meerut Cantt.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 8th November 1976

Ref. No. F. Acq/237/Dehradun/76-77/1944.—Whereas,  
I, VIJAY BHARGAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing  
No. As per schedule situated at As per schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Dehradun on 26-4-1976,  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe that  
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-  
tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATIONS:**—The terms expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property 'A portion of Sarila Lodge' measuring  
0.35 acres situated at The Mall Mussoorie, transferred for an  
apparent consideration for Rs. 48,000/-.

VIJAY BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 8-11-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri Inder Pratap Singh, 2. Sri Dev Pratap Singh,  
3. Sri Mahendra Pratap Singh all r/o D-48, Hauz  
Khas, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Surya Bal Gupta r/o 274, Lunia Mohalla,  
Meerut Cantt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 8th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. Acq/238/Delhi/76-77/1943.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 27-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Immovable property 'A portion of Sarila Lodge' measuring 0.25 acres, situated at The Mall Mussoorie, transferred for an apparent consideration for Rs. 37,000/-.

VIJAY BHARGAVA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1976

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.**

Kanpur, the 10th November 1976

(1) Smt. Humera Khatoon widow of Late Sri S. Sayeed Uddin Ahmed r/o 6-A Colvin Road, Allahabad, through her duly constituted Attorney Sri Masood Ahmed r/o 6-A Colvin Road, Allahabad.

(Transferor)

(2) Sri Dev Kumar Pandhi s/o Sri S. P. Pandhi r/o Windermere Mussoorie, 2, Sri Jagdish Raj Chatrath s/o Late Sri M. Chartrath r/o Neshvilia Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Immovable property Portion of Avenel situated in Mussoorie Distt. Dehradun, transferred for an apparent consideration for Rs. 40,000/-.

**VIJAY BHARGAVA,**  
**Competent Authority**  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-11-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—356GI/76

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th November 1976

Ref. F. No. Acq/333-A/Kanpur/76-77/1954.—  
 Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 27-3-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Vaish & Rohatgi r/o 15/21 Civil Lines, Kanpur through Smt. Sarswati Vaish w/o Sri Ayodhaya Pd. Vaish r/o Kunj Bihar Bihar Kaushalpuri 2. Sri Kailash Narain Rohatgi 3. Sri Devendra Narain Rohatgi 4. Sri Vijendra Kumar Rohatgi all sons of Sri Shiv Lal Rohatgi all r/o 15/21 Civil Lines, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Fakir Chand s/o Sri Sri Dhani Ram 2. Sri Bhu-shan Kumar, 3. Sri Bal Ram Kumar sons of Sri Fakir Chand all r/o 118/296, Kaushalpuri, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property Plot No. 13 measuring 620 sq. yds situated at Govind Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 21,700/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Yashdhir Hotels Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Dhiraj Yashwant Dadbhawala

(Transferee)

(3) Nipon Coop. Hsg. Soc. Ltd.  
(Persons in occupation of the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BLDG., 5TH  
FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 12th November 1976

Ref. No. A.R.II/2309-3/April 76.—Whereas, I, M. J. MATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 37 Plot No. 3 H. No. 4 CTS Nos. 563 & 563/1, 563/2, 563/3 and 563/4 S. No. 74 (pt) CTS No. 561/2 situated at Juhu Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 5-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground hereditaments and premises admeasuring 1155 square metres, equivalent to 1382 square yards) or there abouts situate lying and being at Juhu Village, in Taluka South Salcete, in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban, bearing Survey No. 37 Plot No. 3 Hissa No. 4 and bearing CTS Nos. 563 and 563/1, 563/2, 563/3 and 563/4 of Juhu Tara Road and bearing Municipal K Ward No. 9790 (1-2-3) Street No. A-211 and leasehold interest in ALL THAT piece or parcel of land or ground admeasuring 86.95 square metres (Equivalent to 104 square yards) or thereabouts, being the Foreshore Land belonging to the government, bearing Survey No. 74 (part) and CTS No. 561/2 in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban, with Greater Bombay.

M. J. MATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 12-11-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BLDG., 5TH  
FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400 002

- (1) 1. Mr. Pritam Motiram Mansukhani,
2. Mrs. Silava Nalibai,  
Wd/o Motiram Tekchand Mansukhani,
3. Mrs. Meena,  
W/o Pritam Motiram Mansukhani,
4. Mr. Mohan Motiram Mansukhani,
5. Mr. Hiro Motiram Mansukhani,
6. Mr. Arjan Motiram Mansukhani,
7. Miss Hira Motiram Mansukhani,
8. Mr. Sunder Motiram Mansukhani,
9. Mr. Manik Motiram Mansukhani,
10. Miss Alka Pritam Mansukhani, and
11. Miss Viveka Pritam Mansukhani.

(Transferors)

- (2) Smt. Satya Sakhi Thakur and  
Shri Mahesh Sakhi Thakur.

(Transferee)

- (3) Shri W. R. Kumar and  
Shri S. A. Thakur.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400 002, the 15th November 1976

Ref. No. AR-I/1549-2/March 76.—Whereas, I, G. A. JAMES,  
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City Survey No. E/132 of Bandra Division situated at Final Plot No. 669 of TPS III, Kharpani Danda Road, Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay City on 1-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL THAT piece or parcel of land or ground with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon being Final Plot No. 669 of Town Planning Scheme No. III Bandra and situate, lying and being on the Khar Palli Danda Road, Bandra in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bomaby Suburban but now in Greater Bombay containing by admeasurement 730 square yards equivalent to 611.374 square metres or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes Bandra Municipality in Town Planning Scheme Bandra No. III Final Plot No. 669 bearing City Survey No. E/132 of Bandra and bounded as follows: that is to say, On or towards the EAST by Road; On or towards the WEST by Zandra Road, One or towards the NORTH by Plots Nos. 667 and 668 of the said Scheme and On or towards the SOUTH by 40 feet road.

G. A. JAMES,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 15-11-76.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BLDG., 5TH  
FLOOR, NFTAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th November 1976

Ref. No. AR-I/1565.18/Mar/76.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 70, Block-I of Backbay Reclamation CS No. 1/1746 (part) of Fort Division, situated at Marine Drive, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6.3.1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tulsidas Chhaganlal Shah and Smt. Kamla Ben Tulsidas Shah. (Transferor)
- (2) Shri Pritambhai Mohahjal Daftary and Smt. Kusumben Pritambhai Daftary. (Transferee)

**Lists of Tenants.**

- (3) 1. Dr. Jagdishchandra Chimanshi Gandhi.  
2. Ashok Bhanurai Shukla.  
3. Narotamdas Amarchand Shah.  
4. Dilip Chamanshi Mehta.  
5. Nacalbai Lakshmidas Parekh.  
6. Indulal Kantilal Parekh.  
7. Y. M. Desai, N. N. Desai & N. D. Desai.  
8. N. N. Desai, Y. M. Desai & N. D. Desai.  
9. Hirnalal Gokaldas Doshi.  
10. M/s. Bajaj Bros.  
11. Dr. S. Venkatasaran.  
12. Dayabhai Dhanjibhai Bhagat.  
13. Rafulal Jivandas Madhani.  
14. Yeshwantrai Dulerai Dave.  
15. M/s. Bawa Pardumansingh & Sons.  
16. Navnit Haridas Parekh.  
17. Shantilal Mulchand Shah.  
18. K. M. Soonawala & Dr. Sushila F. Sonawala.  
19. Kantilal Popatil Shah.  
20. A. S. Bharatan.  
21. Tulsidas C. Shah & Vijay H. Pandya.  
22. Kamla T. Shah & Surender T. Shah  
Tulsidas C. Shah & Kamla T. Shah.  
23/26 Jitendra M. Mehta  
Ashwin M. Mehta  
Narendra M. Mehta.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

**FIRST :** ALL THAT piece of land known as Plot No. 70 in Block No. 1 of the Backbay Reclamation Estate of the Government of Bombay within the City and Registration Sub-District of Bombay, containing by admeasurement 2265 sq. yds. (1893.83 sq. metres) or thereabouts and bounded as follows : that is to say on or towards the North by Plot No. 71 of the same Estate, On or towards the South by Plot No. 69 of the same Estate, On or towards the East by Government land and on or towards the West by Marine Drive and which said piece of land is registered in the Book of the Collector of Bombay under Rent Roll No. 10072 and bears Cadastral Survey No. 1746 of the Fort Division.

**SECONDLY :** ALL THAT piece of land behind Plot No. 70 in Block No. 1 of the Backbay Reclamation Estate of the Government of Bombay within the City and Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 642 sq. yards (537.79 sq. metres) or thereabouts and bounded as follows : that is to say on or towards the North by Plot No. 71 part of the same Estate, on or towards the South by Plot No. 69 part of the same Estate, on or towards the East by Lloyds Recreation Ground and on or towards the West by the remaining area of Plot No. 70 of the same Estate and which said piece of land is registered in the Books of the Collector of Bombay under Rent Roll No. 10072 and bears Cadastral Survey No. 1/1746 (part) of the Fort Division.

G. A. JAMES,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 15-11-76.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BLDG., 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th November 1976

Ref. No. AR-I/1577-30/Mar 76.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 369 (pt) Malabar & Cumballa Hill Division situated at Little Gibbs Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ishwardas Haridas Bhatia, and Smt. Mohinbai Ishwardas Bhatia.  
(Transferor)

(2) The Ishwar-Bhavan Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)

(2) Shri Sobharaj Dharamdas,  
2. Shri Jivatram Masharam,  
3. Smt. Vandana D. Mehtani,  
4. Shri Navandibai Dayaldas,  
5. Shri Lakhmibai V. Badlani,  
6. Smt. Lakshmibai D. Badlani,  
7. Shri Bhagwandas Ghanshamdas,  
8. Smt. Haribai Ghanshamdas,  
9. Shri Tolaram N. Gandhi,  
10. C. N. Gandhi.  
11. Shri Dharamdas D. Punjabi.  
12. Maghan I. Sumaya,  
13. Smt. Lilawati M. Sumaya, and  
14. Shri Ghanshamdas Udhavdas,

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL that piece or parcel of land or ground formerly Pension and Tax tenure (the pension and assessment thereon has now been redeemed) situate at Little Gibbs Road, Malabar Hill, Bombay, in the Registration Sub-District of Bombay bearing C.S. No. 369 (Part) of Malabar and Cumballa Hills Division containing by admeasurement 110.5 square metres or thereabouts and bounded as follows : that is to say on or towards the West by the land described in the Schedule above referred to, on or towards the East by the land bearing C.S. No. 1/369 of Malabar and Cumballa Hill Division, on or towards the North by the Private Street and on or towards the South by the said Little Gibbs Road.

G. A. JAMES,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 15-11-76.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BLDG., 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th November 1976

Ref. No. ARI/1582/35/75-76.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CS No. 172, Malabar & Cumballa Hill Divn. 946.05 sq. mtre. situated at Doongarshi Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-3-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Baktawarmal Bastimal Siroya,  
2. Shri Nibalchand Nemchand,  
3. Shri Khemchand Bachraj Kothari.  
(Transferor)
- (2) Jai Girnar Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd.  
(Transferee)
- (3) 1. Smt. Rashmiben M. Parekh,  
2. Smt. S. D. Gupta,  
3. Shri H. D. Dalal,  
4. Smt. Jashumati L. Mody,  
5. Shri Prakash K. Kadakia,  
6. Smt. Madhuben K. Shah,  
7. Shri Mafatbhai R. Patel,  
8. Smt. Jayalaxmi G. Sanghavi,  
9. Smt. Bhanumati P. Doshi,  
10. Shri Bastimal Juharmal Siroya,  
11. Dr. (Smt.) Kokilaben C. Dharia,  
12. Shri Gordhandas T. Parekh,  
13. Shri Nemichand B. B. Kothari,  
14. Smt. Madhukumari K. Siroya,  
15. Smt. Bhanumati C. Mehta,  
16. Shri Khemchand B. Kothari,  
17. Shri Rajendrakumar K. Kothari, and  
18. Smt. Sushama Satischandra Jain.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of pension and tax land or ground with the messuage or dwelling house standing thereon situate, lying and being at Doongersey Road, Malabar Hill, in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 1131.5 sq. yards equivalent to 946.05 sq. mtrs. or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under New No. 2734, New Survey No. 2/7245 Cadastral Survey No. 172 Malabar and Cumballa Hill Division assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under "D" Ward No. 3163 and Street No. 10 and bounded as follows : that is to say on or towards the West by the properties bearing CS No. 171, on or towards the West by the properties bearing CS No. 174 and 175 on or towards the North by the property bearing CS No. 173 and on or towards the South by the public Road known as Doongersey Road.

G. A. JAMES,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 15-11-76.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BLDG., 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,  
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th November 1976

Ref. No. AR-I/1592-45/Mar 76.—Whereas, I, G. A. JAMES,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CS. 137 (pt) marked B Fort Division situated at Rampart Row

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-3-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mr. Ishwardas Haridas Bhatia,  
2. Mrs. Mohini Ishwardas Bhatia,  
3. Dr. Geeta, D/o Ishwardas Bhatia, and  
4. Dr. Laxmi, D/o Ishwardas Bhatia.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Amritlal Hirachand Gosalia,  
2. Mrs. Prabhavati Kamdar, and  
3. Mr. Rahul Amritlal Gosalia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of quit and ground rent and land together with a building standing thereon situate at Rampart Row within the Fort of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 250-83 sq. mtrs. i.e. 300 sq. yds. or thereabouts be the same a little more or less and registered by the Collector of Land Revenue under Rent Roll No. 1437 Old No. 4875 C.R.R. No. 1437 Old Survey No. 1392 and Laughton Survey No. 9498 and bearing Cadastral Survey No. 137 (part) marked 'B' of the Fort Division, being a portion of the property more particularly described in the First Schedule and assessed by the Municipality under Ward A Nos. 1173 22-26 Rampart Row and bounded as follows :— that is to say on or towards the North C.S. No. 140 owned by Haji Aboobakar Arri and more particularly described in the First Schedule on or towards the East by the property of Persian Gulf Steam Navigation Company on or towards the South by the 'A' portion of said property Rampart Cooperative Premises Society Ltd., and on or towards the West by the property of Mohammed Hussain Shushtary and others.

G. A. JAMES,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 15-11-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Bhwan Builders Through Shri Devidas Dattaraya,  
Baikalle Managing Partner,  
154, Jail Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1976

Ref No. IAC/Acq/BPL/76-77/756.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Village Tejpun Gadbad, Dahehra Maidan Road at Indore, Survey Nos. part of 22-32, 43, 45 and 46 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Alpa Aya Samuday Co-operative Housing Society, Indore, through President Shri C. S. Dwivedi, 16, Baxibagh, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land situated at Village Tejpun, Gadbad, Dassera Naidan Road, Indore—12.05 Acres. Free hold Survey Nos. Part of 22-32 & 43 and 4, 45 and 46/1.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—356GI/76

Date 10-11-1976,  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Bhikaji S/o Shri Poonaji Khati  
Bijalpur, Indore.  
Dasera Maidan Road, Indore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Manav Kalyan Co-operative Housing Society Ltd.  
Through Shri Shukla R/o Indore,  
195, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 10th November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/757.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land Total Area 18.25 acres situated near Indore, Village Tejpur Gadbad Survey Nos. Part of S Nos. 22-32, 43, 31 and 38 situated at Tah. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land situated at Village Tejpur Gadbad Teh. Indore. Survey Nos. Part of S. Nos. 22-32, 43, 31 and 38.

V. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date 10-11-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vinchwar Ramlal Kunwar,  
R/o Lilar, Dhamtari.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Parmanand Gajanand Sinha,  
R/o Vander, Dhamtari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 10th November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/758.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 7.06 hectares near Dhamtari, situated at near Dhamtari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhamtari on March, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7.06 Hectares near Dhamtari.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Gangadevi W/o Shri Purshottamdas Rateria,  
R/o Subhash Chowk, Raigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/765.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nazul Plot No. 1587, Rakba 53 ft. by 100 ft. in Civil Lines, Raigarh, Municipal Ward No. 17 Old, situated at Raigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raigarh on 20th March, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Narvanidevi W/o Shri Ramswaroopdas Rateria,  
R/o Subhash Chowk, Raigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Nazul Plot No. 1587, Rakba 53 ft. by 100 ft. situated in Ward No. 17, Civil Lines, Raigarh.

V. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 10-11-1976

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lalji Parshad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 25.I./Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. C-13/47, situated at Moh. Lahangpura, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 28-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

A house No. C-13/47, situated at Lahangpura, Varanasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 15-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sukh Lal.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Prasad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th November 1976

Ref. No. 42-J/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 of House No. C-13/47, situated at Moh. Lahangpura, Aurangabad, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 28-4-1976) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 portion of house No. C-13/47, situated at Moh. Lahangpura, Aurangabad, Varanasi.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-11-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Satya Narain Singh

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Jeevan Das Seth &amp; Smt. Laxmi Devi.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 15th November 1976

Ref. No. 43-J/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. K-53/91, K-57/41 situated at Moh. Nawapura, Varanasi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 19-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

A house No. K-53/91, 57/41 situated at Moh. Nawapura, Varanasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shyam Narain Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Virendra Kumar &  
Sri Umashanker Dixit.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Shyam Narain Singh,

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(4) Shri Shyam Narain Singh.

[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Lucknow, the 15th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 28-V/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House with land,

situated at Village Badagaon Parg, Koasla Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 30-3-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house with land situated at Village Badagaon, Pargana Kolasla, Distt. Varanasi.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-11-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Pramodni Tapal & Others Usha Agarwal &  
Meena Singh.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pawan Kumar Singh, Sushila Singh, Sarya  
Prasad Singh, & Sri Krishna Singh.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th November 1976

Ref. No. 59-P/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. A, B, C, D situated at Moh. Bhadaini, Varanasi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 20-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. B-3/22, A, B, C, D situated at Mohalla Bhadaini, Varanasi.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—356GI/76

Date : 15-11-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) 1. Dr. Basabi Sarbadhikary,  
2. Sm. Ranju Gupta,  
3. Sm. Atasi Roy,

(Transferor)

(2) Sri Krishnadas Paul &  
Sm. Manjusri Paul,

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA-16**

Calcutta-16, the 11th November 1976

Ref. No. TR-340/C-337/Cal-1/76-77.—Whereas, I, S. K.

CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5/1, situated at Acharya Jagadish Chandra Bose Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Dr. Basabi Sarbadhikary,  
2. Sm. Ranju Gupta,  
3. Sm. Atasi Roy,

(Transferor)

(2) Sri Krishnadas Paul &  
Sm. Manjusri Paul,

(Transferee)

(3) 1. Nahar & Co.  
2. Rabindra Nath Ghosh  
3. Hindustan Lace Mfg. Co. (P) Ltd.  
4. K. D. Paul.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that brick built dwelling house together with land containing an area of 12 cottahs 7 chittacks and 41 sq. ft. more or less being premises No. 5/1, Acharya Jagadish Chandra Bose Road (formerly 5/1 Lower Circular Road) Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 11-11-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. V. Sasthayan, S/o. Venkatachalam Achari,  
Thunduvilakethu Veedu, Chalai,  
Trivandrum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (i) S. Pottivelu,  
(ii) Murugan, S/o Pottivelu,  
T.C. 34/647, Padma Nagar,  
Trivandrum.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
M. G. ROAD, ERNAKULAM,

Cochin-682011, the 9th November 1976

Ref. No. L.C. No. 88/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 2349,  
situated at Chongazhassory village, Thampanoor, Trivandrum,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalai on 11-3-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

22.250 cents of land and a tourist home building on the plot bearing T.C. 23/560, Trivandrum—*vide* schedule to Document No. 608/76 dt. 11-3-1976.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-11-1976.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th November 1976

Ref. No. RAC. No. 195/76-77. Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th Share in Door No. 40/37 situated at Bellary Road, Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on 15-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. G. C. Subaiah, 2. G. P. Venkataswamy, 3. G. P. Ramaiah, 4. G. C. Ramaiah, 5. C. Venkatasubaiyah, 6. L. R. Manohar, 7. C. Obuleshu, 8. L. B. Sujathamma, 6 to 8 represented by G. P. A. holder Sri G. P. Ramaiah, all residing at Nandyal town, Kurnool Dist. (Transferor)

(2) Shri N. Ramamohana Rao, S/o Subba Rao, Kurnool.

(Transferee)

(3) The Principal, Govt. Arts College, Kurnool.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property situated at Bellary Road, Kurnool town, bearing Door No. 40/36 out of this 1/4th share, purchased under document No. 448/76 registered in the office of the Sub-Registrar, Kurnool.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. G. C. Subajah, 2. G. P. Venkataswamy, 3. G. P. Ramaiyah, 4. G. C. Ramaiyah, 5. C. Venkatasubbaiah, 6. L. R. Manohar, 7. C. Obuleshu, 8. L. B. Sujathamma, 6 to 8 represented by G. P. A. Holder Sri G. P. Ramaiyah.  
all residing at Nandyal Town, Kurnool Dist.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

- (2) Smt. C. G. Virginia, W/o  
K. Rajaratnam,  
R/o Eswarnagar, Kurnool-Town, Kurnool Dist.  
(Transferee)
- (3) The Principal, Govt. Arts College,  
Kurnool.  
[Person in occupation of the property]

Hyderabad, the 11th November 1976

Ref. No. RAC. No. 196/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4the share in Doc. No. 40/36,  
situated at Bellary, Road, Kurnool Town  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on 3-3-1976  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Bellary Road, Kurnool Town, Kurnool. Bearing Door No. 40/36 out of this 1/4th share, purchased under document No. 448/76 registered in the office of the Sub-Registrar, Kurnool.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) S/Shri G. C. Subaiah, 2. G. P. Venkataswamy, 3. G. P. Ramajah, 4. G. C. Ramaiah, 5. C. Venkatasublah, 6. L. R. Manohar, 7. C. Obulesu, 8. L. B. Sujathamma, 6 to 8 represented by G. P. A. holder G. P. Ramaiah, R/o Nandyal Town, Kurnool Dist.

(Transferor)

- (2) Sri K. Rajarathnam, Kurnool.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th November 1976

Ref. No. RAC No. 197/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share in Door No. 40/36, at Bellary Road, Kurnool Town situated at Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on 3-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Bellary Road, Kurnool Town, bearing Door No. 40/36 out of this 1/4th share, purchased under document No. 448/76 registered in the office of the Sub-Registrar, Kurnool.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. G. C. Subaiah, 2. G. P. Venkataswamy, 3. G. P. Ramajah, 4. G. C. Ramaiah, 5. C. Venkatasubaiyah, 6. L. R. Manohar, 7. C. Obulesu, 8. L. B. Sujathamma, 6 to 8 represented by G. P. A. holder G. P. Ramaiah,  
R/o Nandyal town, Kurnool Dist.

(Transferor)

(2) Shri N. Venkatasiva Prasad S/o Subba Rao, residing at Kurnool.

(Transferee)

(3) The Principal, Govt. Arts College, Kurnool.

[Person in occupation of the property]

Hyderabad, the 11th November 1976

Ref. No. RAC. No. 198/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in Door No. 40/36, Bellary Road, Kurnool Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool in March 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in that said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property situated at Bellary Road, Kurnool town, Kurnool bearing Door No. 40/36 out of his 1/4th share, purchased under document No. 448/76 registered in the office of the Sub-Registrar, Kurnool.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Swayampakula Shaymasundera Murthy,  
S/o Sreecarmurthy,  
Snathapet, Nellore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th November 1976

Ref. No. RAC. No. 193/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/Fatchkanpet, situated at Nellore, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 15-3-1976,

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Swayampakula Venkatalaxmi, W/o Dr. Ramakrishnamurthy, Santhapet, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land admeasuring 86-1/2 cents or 519 ankanams in Nellore Bit-I Fatkehampet, Ward No. 23 CA. SN. 489/3, CAS.No. 488/2 CAS.No. 963/2 at Nellore, covered by sale deed Doc. No. 487/76 registered at the Registrars office Nellore on 9th March, 1976.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-11-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th November 1976

Ref. No. RAC. No. 194/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1946,

situated at Nellore-Bit-I, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 22-3-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Thikkavarapu Pattabhiramireddy, S/o Ramireddy,  
58-St., Marks Road, Bangalore-I.
- 2. Thikkavarapu Konark Manohara Reddy, S/o Pattabhiramireddy,  
58-St., Marks Road, Bangalore-I.

(Transferee)

- (2) Shri Erramaneni Nagasanjeeva Rao, S/o Koteswara Rao,  
Managing Director East India Tobacco Co., Ltd.,  
Nellore (BO) Guntur (H.Q.).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Dry land bearing S. No. 1946 admeasuring 3 ac 74 situated at Nellore Bit-I in Nellore Tq-Nellore Dist. bounded by  
East : 30' wide Road  
South : Land belonging to Sri Gundala Buchireddy etc.  
West : Land belonging to East India Tobacco Co.,  
North : Podalakur Road,  
vide Sale document No. 591, dated 22-3-1976, in the office of the Registrar, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-11-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Gurjeet Singh  
 Sh. Gurpreet Singh, Jasbir Singh, Sukhwant Singh  
 ss/o Shri Gurcharan Singh,  
 r/o Gurdwara Bazar,  
 c/o Jasbir Singh Market Committee,  
 Kot Kapura.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE,  
 AMRITSAR

(2) M/s. Shakti Rice Mills,  
 Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
 [Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Amritsar, the 13th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. FDK/88/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in March 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3625 of March, 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 12th November 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1051(556)/16-2/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

known as "Vikram Vihar"

situated at on Main Road opposite Railway Station, Gondal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gondal on 5-3-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Executors as per will of Late Her Highness—Rajkuvarba Davgar, Maharani Saheba of Gondal
  - (1) Her Highness Jayakumaribai Saheba of Wadhwan, at present residing at — Shakti Mahal No. 1, Kurnig Ganv Road, Bangalore.
  - 2. Princess Dilharkumari Rajkumari Saheba of Panna, residing at Rajmandir Palace, Panna, Madhya Pradesh.
- (Transferor)
- (2) M/s Laxmi Estate Agency, Chembur, Bombay-71.  
Through partners :—  
1. Shri Shivji Premji Tank—Parijat Society, 201, Garthan Road, No. 1, Chembur, Bombay-71.

- 2. Shri Khimji Premji Tank—Kurbelkarwadi, Garthan Road, No. 3, Chembur, Bombay-71.
- 3. Shri Manji Premji Tank—Kurbelkarwadi, Garthan Road No. 3, Chembur, Bombay-71.
- 4. Smt. Jayaben Manji Tank—Kurbelkarwadi, Garthan Road No. 3, Chembur, Bombay-71.
- 5. Shri Keshavlal Liladhar Mehta—Ghatkoper, Mahul Road, Charai Ganv, Chembur, Bombay-71.
- 6. Shri Dolatlal Liladhar Mehta—C/o L. L. Mehta, No. 13, Kasturmahal sion, Bombay-22.
- 7. Shri Jagjivan Hemchand Mehta—Manibhuvan Room No. 3, Charai Ganv, Ghatkoper, Mahul Road, Chembur, Bombay-71,
- 8. Shri Kanaiyalal Vaktavarmal Kothari—Chemburnaka, Sion, Trombyroad, Bombay-71.
- 9. Shri Sundarlal Dhrul Chandji—Chemburnaka, Trombyroad, Bombay-71.

(Transferee)

- (4) 1. Shri Mukeshchandra Babubhai, [Person in occupation of the property]
  - 2. Shri Mukundchandra Babubhai, C/o Bank of India, Ghatkoper, Mahul Road, Chembur, Bombay-71.
- [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land known as "Vikram Vihar" admeasuring 12322-5-11-5-4 sq. yards, situated opposite Rly. Station, Gondal and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 13/76 dated 5-3-76.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad

Dated : 12-11-1976.

Seal :

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION**  
**NOTICE**  
**SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES'**  
**EXAMINATION, 1977**

New Delhi, the 4th December, 1976

No. F5/3/76-EI(8).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at ALLAHABAD, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SIMLA, AND TRIVANDRUM commencing on the 1st June, 1977 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 4th December, 1976.

**THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure 1, para 11).**

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is 10. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

**NOTE 1.—**Requests for supply of application form and full particulars of the examination by post must reach the office of the Commission before 17-1-1977. However, the forms may be had personally from the counter in the office of the Commission upto 24-1-1977.

**NOTE 2 :—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1977. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1977 WILL NOT BE ENTERTAINED.**

4. The completed application form must reach the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 24th January 1977 (7th February, 1977, in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 24th January, 1977) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 36.00 (Rs. 9.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes)

through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

**APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.**

6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A refund of Rs. 21.00 (Rs. 5.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

**8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.**

M. S. PRUTHI, Dy. Secy.  
 Union Public Service Commission.

**ANNEXURE**

**INSTRUCTIONS TO CANDIDATES**

*1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

**BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.**

*2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the

Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 24th January,

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
- (ii) Attested/certified copy of certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable. (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable (see paras 5 and 6 below).

**NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi), and (vii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1977. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.**

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and 6 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee*—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee*—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

**NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested /certificate copy of only the page containing entries relating to age.**

**NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.**

(iii) *Certificate of Educational qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (*i.e.* University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the Intermediate or any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed, an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(b) or Rule 6(c) must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the University/Principal of the College/Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him.

*The form of certificate to be produced by the candidate.—*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\*..... son/daughter\* of ..... is/was\* a bona-fide student of this University/College/Institution\*.

2. He/she\* has passed the first year examination under the three year degree course/first year examination of the five year Engineering Degree Course/first Examination of the three year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education\* and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

*Or*

He/she\* has passed in ..... division that first/second\* year examination of the three year degree course first year examination under the five year Engineering Degree Course\* conducted by the University of .....

3. @He/she\* was examined in the following subjects :

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

@Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrar/Principal)  
(Name of the University/College/Institution\*)

Date .....

Place .....

\*Strike out whichever is not applicable.

apply. Such candidates must, however, submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 16th August, 1977.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

The form of certificate to be produced by the candidate.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\*..... son/daughter\* of ..... is expected to appear/has appeared\* at ..... Examination conducted by ..... in the month of ..... 19 ..... with the following subjects —

- (i) .....
- (ii) .....
- (iii) .....
- (iv) .....
- (v) .....

(Signature of Principal)  
(Name of the College/Institution\*)

Date .....

Place .....

\*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photographs.*—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(iii), 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or, the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents' (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

A candidate covered by Note 1 below Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ of village/town\* \_\_\_\_\_ in District/Division\* \_\_\_\_\_ of the State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971.]

the Constitution (Jammu and Kashmir)  
Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands)  
Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli)  
Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli)  
Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled  
Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar  
Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu)  
Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu)  
Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes  
Order, 1970\*

2. Shri/Shrimat/Kumari\* ..... and/or\* his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\* ..... of District/Division\* ..... of the State/Union Territory\* of .....

Signature .....  
\*\*Designation .....

Place.....

Date.....

State\*  
Union Territory

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)", used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additonal District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additonal Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b)(ii) or 5(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vi) or 5(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, and is claiming age concession under Rule 5(b)(viii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(b)(ix) or 5(b)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.—

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area" and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force, claiming age concession under Rule 5(b)(xi) or 5(b) (xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak Hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iii) above and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required, should apply to the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi-(110006), and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-(110001), (ii) Sale Counters of the Publications Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-(110001) and Office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets, are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOPLUR HOUSE, NEW DELHI-(110011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE RE-DIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.